RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 99 ● भिलाई, रविवार 19 अक्टूबर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

आर्मी कैंप पर ग्रेनेड एटैक, 3 जवान गंभीर रूप से घायल

दिसपुर। असम के तिनसुकिया जिले के काकोपाथर इलाके में स्थित एक आर्मी कैंप पर देर रात ग्रेनेड हमला हुआ। इस हमले में सेना के तीन जवान घायल हो गए हैं। गुरुवार रात हुई इस घटना के दौरान गोलीबारी और विस्फोटों की आवाजें देर तक सुनाई देती रहीं, जिससे आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूत्रों के मुताबिक, आधी रात के करीब अज्ञात हमलावरों ने भारतीय सेना की 19 ग्रेनेडियर्स यूनिट के कैंप के पास ग्रेनेड फेंके। धमाकों में घायल जवानों को नजदीकी सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। हमले के बाद सेना और पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है। सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है और नागरिकों की आवाजाही पर अस्थायी रोक लगा दी गई है। फिलहाल घटना के पीछे किस संगठन का हाथ है, इसकी जांच की जा रही है।

पंजाब डीआईजी के घर से 5 करोड़ रूपए का कैश

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस के रोपड़ रेंज के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर को सीबीआई ने 5 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उन्होंने मंडी गोबिंदगढ़ के एक स्क्रैप कारोबारी से रिश्वत की मांग की थी। दिल्ली और चंडीगढ़ से आई सीबीआई की संयुक्त टीम ने ट्रैप बिछाकर उन्हें मोहाली स्थित कार्यालय से पकड़ा। सूत्रों के अनुसार, डीआईजी की 52 सदस्यीय टीम भुल्लर के मोहाली स्थित दफ्तर और चंडीगढ़ के सेक्टर-40 में बने उनके आलीशान घर की कई घंटों तक तलाशी ले रही है। इस दौरान लगभग एक करोड़ रुपए नकद, तीन बैग और एक अटैची में भरे हुए मिले हैं। नोटों की गिनती के लिए मशीनें मंगानी पड़ीं। इसके अलावा सोने-चांदी के गहने और अहम दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। अब तक मिली अपडेट के अनुसार उनके पास से 5 करोड़ रुपए का कैश बरामद किया गया है। फिलहाल भुल्लर को एक गोपनीय स्थान पर रखकर पूछताछ की जा रही है।

दिनदहाड़े करोड़ों की डकैती का पर्दाफाश

मुंबई। मुंबई पुलिस ने एक दिनदहाड़े डकैती के मामले को सुलझाते हुए 2.29 करोड़ रुपए के सोने के आभूषण बरामद किए हैं। यह डकैती सेवरी इलाके में हुई थी, जिसे एक ज्वैलरी कंपनी के कर्मचारी और उसके राजस्थान के रिश्तेदारों ने मिलकर अंजाम दिया था। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और चोरी का पूरा माल बरामद कर लिया है। रफी अहमद किदवई (आरएके) मार्ग पुलिस के अनुसार घटना 13 अक्टूबर की दोपहर करीब ढाई बजे हुई। मास्टर चेन एंड ज्वेल्स के डिलीवरी एजेंट श्यामलभाई होथीभाई रबारी (31) और उनके सहयोगी जगदीश केराभाई आल, क्वालिटी एसे एंड हॉलमार्क एलएलपी से 2,067.143 ग्राम सोने के आभूषण लेकर कालाचौकी स्थित कंपनी के कारखाने जा रहे थे। सेवरी कोर्ट के पास जकारिया बंदर रोड पर दो मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने उनकी बाइक में टक्कर मारी।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान पर भीषण हवाई हमला

तीन क्रिकेटर समेत आठ की मौत! नबी, फारुकी की आंखें हुई नम...

नई दिल्ली/ एजेंसी

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ युद्धविराम समाप्त होते ही भीषण हवाई हमला किया, जिसमें अफगान क्रिकेट टीम के तीन खिलाड़ियों सहित आठ लोगों की मौत हो गई। दोनों देशों के बीच 48 घंटे का युद्धविराम समझौता था, और इस दौरान स्थानीय मीडिया ने दोहा में शांति वार्ता की संभावना जताई थी, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। पाकिस्तान का दावा है कि अफगानिस्तान की धरती पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) आतंकी गतिविधियां चला रहा है और उसे वहां शरण मिल रही है। दूसरी ओर, अफगानिस्तान ने इसे अपना आंतरिक मामला बताते हुए पाकिस्तान पर आईएसआई के आतंकियों को पनाह देने का आरोप लगाया। साल 2021 में तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद पाकिस्तान बेहद उत्साहित था। उसे उम्मीद थी कि तालिबान उसकी और आईएसआई की कठपुतली बनेगा। इस दौरान पाकिस्तान ने तालिबान के 100 से अधिक कैदियों को रिहा भी किया था। लेकिन तालिबान ने पाकिस्तान के इस भरोसे को तोड़ दिया और साफ कर दिया कि वह उनके इशारों पर नहीं चलेगा। नतीजतन, दोनों के बीच पहले जैसा भाईचारा अब खत्म हो चुका है। पाकिस्तान की आईएसआई ने तालिबान को अफगानिस्तान पर कब्जा करने में खूब सहायता की थी। इसका मकसद भारत और अफगानिस्तान के बीच मजबूत रिश्तों को कमजोर करना था, क्योंकि भारत ने हमेशा अफगानिस्तान की मुश्किलों में साथ दिया है। लेकिन तालिबान के सत्ता में आने के बाद भी भारत-अफगानिस्तान संबंध मजबूत बने हुए हैं। हाल ही में तालिबानी विदेश मंत्री के भारत दौरे ने पाकिस्तान की बेचैनी बढ़ा दी है इस हमले ने अफगान क्रिकेट समुदाय को गहरा सदमा पहुंचाया है। ऑलराउंडर गुलबदीन नैब ने सोशल मीडिया पर हमले की निंदा करते हुए लिखा, पाकटिका के उरुगन में हुए कायरतापूर्ण हमले से हम स्तब्ध हैं, जिसमें मासूम लोग और हमारे क्रिकेटर शहीद हुए। यह हमला हमारी आजादी पर हमला है, लेकिन यह हमारी अफगान भावना को नहीं तोड़ सकता। तेज गेंदबाज फजलहक फारुकी ने भी हमले की कड़ी आलोचना की और लिखा, मासूम लोगों और क्रिकेटरों का नरसंहार जघन्य और अविस्मरणीय है। अल्लाह शहीदों को स्वर्ग में स्थान दे और अत्याचारियों को सजा दे। यह कोई सम्मान नहीं, बल्कि गहरा अपमान है।

हमारे खिलाड़ियों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी'

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा, 'अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड पक्तिका प्रांत के उरगुन जिले के उन बहादुर क्रिकेटरों की शहादत पर गहरा शोक प्रकट करता है, जिन्हें पाकिस्तानी शासन द्वारा किए गए एक कायराना हमले में निशाना बनाया गया।' एसीबी के मुताबिक, मारे गए तीनों खिलाड़ी कबीर, सिबघतुल्लाह और हारून, शराना में एक फ्रेंडली मैच खेलने के बाद अपने घर लौट रहे थे, जब यह हमला हुआ। एसीबी ने कहा, 'इस दर्दनाक घटना में उरगुन जिले के तीन क्रिकेटरों समेत आठ लोगों की मौत हुई।

त्रिकोणीय सीरीज से अफगानिस्तान का नाम वापस

अफगानिस्तान ने यह भी पुष्टि की कि वह नवंबर 2025 में पाकिस्तान में होने वाली त्रिकोणीय टी20 सीरीज में हिस्सा नहीं लेगा। इस सीरीज में पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल थे। एसीबी ने कहा, 'पीड़ितों के प्रति सम्मान और संवेदना के प्रतीक के रूप में, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आगामी त्रिकोणीय सीरीज से हटने का फैसला किया है।' बोर्ड ने इस घटना को अफगान खेल जगत और क्रिकेट परिवार के लिए अपूरणीय क्षति बताया और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

अनुभवी क्रिकेटर मोहम्मद नबी ने फेसबुक पर दुख जताते हुए कहा, पाकटिका में दोस्ताना मैच के बाद हुए हमले में लोगों और क्रिकेटरों की मौत की खबर दर्दनाक है। यह न सिर्फ पाकटिका, बल्कि पूरे अफगान क्रिकेट समुदाय और देश के लिए दुखद है। शहीदों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। अफगान क्रिकेटर राशिद खान ने पाकिस्तान के हवाई हमलों में निर्दोष नागरिकों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में हुए इन हमलों से मैं स्तब्ध हूं और अपना दुख शब्दों में बयां नहीं कर सकता।

ममता बनर्जी पर शाह का तंज; राहुल को घेरा

असम में घुसपैठ रोकी बंगाल में तो उनका स्वागत होता है-शाह..

पटना/ एजेंसी

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को दावा किया कि जहां भाजपा शासित असम में घुसपैठ रोक दी गई है, वहीं पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में यह जारी है, क्योंकि वहां की सरकार अवैध प्रवासियों का रेड कार्पेट बिछाकर उनका स्वागत कर रही है। पटना में एक मीडिया कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी तंज कसा और कहा कि अब उन्होंने वोट चोरी वाले आरोप को छोड़ दिया है। शाह ने विशेष गहन निर्वाचन संशोधन (स्क्रूक) का समर्थन करते हुए कहा कि इससे घुसपैठियों को चुना जा सकेगा और यह पूरे देश

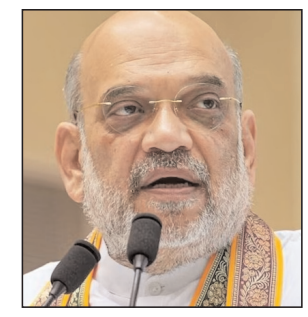

में लागू होगा। शाह ने कहा कि विपक्ष को इस प्रक्रिया पर आपत्ति करना अजीब है। उन्होंने कहा कि जो लोग लुटियंस दिल्ली में बैठकर बात करते हैं, उन्हें सीमा की असलियत नहीं पता। बांग्लादेश की सीमा में घने जंगल और बड़े नदी-नाले हैं, जो मानसून में उफान पर रहते हैं। इसलिए बार-बार गश्ती करना या सीमा पर बाड़ लगाना मुश्किल है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब कोई व्यक्ति पड़ोसी देश से भारत में आता है, तो स्थानीय पुलिस या पटवारी को पता होना चाहिए, लेकिन उन्हें ऊपर से आदेश मिलता है कि प्रवासियों का स्वागत करें। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में घुसपैठ बढ़ रही है, जबकि असम में यह रोकी गई है। शाह ने पश्चिम बंगाल के लोगों से अपील की कि वे अगले साल के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बाहर करें और राज्य से हर घुसपैठिए को निकालने का वादा किया। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी ने वोट चोरी के आरोप को लगभग छोड़ दिया है।

पीएम मोदी भरेंगे हुंकार, गया जी में करेंगे चुनावी सभा को संबोधित

गया। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही राज्य का दौरा करेंगे। इस दौरान वह अपनी जनसभाओं के माध्यम से मतदाताओं को साधने के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को जनता के सामने रखेंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले चरण के प्रचार अभियान के तहत 23 अक्टूबर को बिहार के विभिन्न जिलों में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इसी क्रम में वह गया (गयाजी) में भी एक बड़ी चुनावी रैली को संबोधित करेंगे।

मढ़ौरा विधानसभा में एलजेपी को झटका

चिराग की प्रत्याशी सीमा सिंह का नामांकन रद्द.....

छपरा। मढ़ौरा सीट से बड़ी खबर सामने आई है। यहां चार प्रत्याशियों का नामांकन रद्द कर दिया गया है। इनमें एनडीए समर्थित लोजपा (रामविलास) की उम्मीदवार व फिल्मी कलाकार सीमा सिंह, बसपा के आदित्य कुमार, जदयू के बागी व पूर्व जिलाध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू तथा निर्दलीय विशाल कुमार शामिल हैं। 177 मढ़ौरा विधानसभा क्षेत्र की निर्वाची पदाधिकारी सह एसडीओ निधि राज ने इस संबंध में आधिकारिक घोषणा की। लोजपा (आर) उम्मीदवार सीमा सिंह का

नामांकन फॉर्म क्र में तकनीकी गड़बड़ी के कारण रद्द किया गया है। उन्होंने अंतिम दिन दोपहर करीब 3 बजे नामांकन दाखिल किया था। निर्वाचन आयोग की ओर से उन्हें गड़बड़ी सुधार कर शाम तक पुन: जमा करने का मौका दिया गया था।

राउज एवेन्यू कोर्ट का फैसला

नेशनल हेराल्ड केस आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने नेशनल हेराल्ड मामले को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया है। दरअसल, दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा पहले दिए गए स्टे की अवधि को आगे नहीं बढ़ाया गया। राउज एवेन्यू कोर्ट में यह मामला साक्ष्य के चरण में है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने अब मामले को 29 नवंबर के लिए सूचीबद्ध कर दिया है। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, शिकायतकर्ता भाजपा नेता

सुब्रमण्यम स्वामी दिल्ली हाईकोर्ट से अपनी अपील वापस लेना चाहते हैं। राउज एवेन्यू अदालत में अब 29 नवंबर को मामले की सुनवाई होगी। अदालत ने इससे पहले कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्यों को समन जारी किया था। वे इस मामले में जमानत पर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) नेहा मित्तल की कोर्ट के समक्ष स्वामी के वकील ने दिल्ली हाईकोर्ट के 8 अक्टूबर 2025 के आदेश को प्रस्तुत किया। इसमें उल्लेख है कि याचिकाकर्ता सुब्रमण्यम स्वामी के वकील, एडवोकेट सत्य आनंद सभरवाल, याचिका वापस लेना चाहते हैं। हाईकोर्ट में वकील का वकालतनामा रिकॉर्ड में दर्ज कराने के लिए समय दिया गया है।

रमा एकादशी पर भांग से हुआ बाबा महाकाल का दिव्य श्रृंगार, दर्शन के लिए लगा भक्तों का तांता

उज्जैन। शुक्रवार को देश भर में कार्तिक मास कृष्ण पक्ष की रमा एकादशी मनाई जा रही है। एकादशी का मुहूर्त गुरुवार से शुरू हो गया था और शुक्रवार को 11 बजकर 12 मिनट तक रहेगा। रमा एकादशी के खास मौके पर उज्जैन के बाबा महाकाल का भांग से श्रृंगार किया है। भांग से बाबा के त्रिनेत्र बनाए गए और दर्शन करने के लिए मंदिर में भक्तों की भीड़ मंदिर में देखी गई। शुक्रवार को प्रात: बाबा महाकाल की भस्म आरती के दौरान भक्तों का तांता लगा रहा। बाबा महाकाल की भस्म आरती के बाद उनका दूध, दही, घी, शक्कर, पंचामृत और फलों के रस से जलाभिषेक किया गया।

जीएसटी कटौती का बंपर लाभ

उपभोक्ताओं को उम्मीद से अधिक बचत-वित्तीमंत्री...

नई दिल्ली/ एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुँच रहा है और कुछ वस्तुओं की कीमतों में उम्मीद से ज़्यादा गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि सरकार 54 उत्पादों की कीमतों पर कड़ी नज़र रख रही है ताकि संशोधित कर ढांचे का लाभ आम आदमी तक पहुँच सके। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 18 अक्टूबर को धनतेरस के शुभ दिन वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव के

साथ जीएसटी बचत उत्सव प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, कर में अपेक्षा से अधिक कमी हुई है और उपभोक्ताओं को उम्मीद के मुताबिक लाभ मिला है, कुछ तो उससे भी अधिक। वित्त मंत्री ने कहा कि कुछ मामलों में, व्यवसायों ने जीएसटी दरों में अपेक्षा से कहीं अधिक कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को दिया। वित्त मंत्री ने कहा, नवरात्रि के पहले दिन इसे लॉन्च किया गया था और मुझे लगता है कि भारत के लोगों ने इसे अच्छी तरह से स्वीकार किया है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने 54 आवश्यक वस्तुओं पर कड़ी नज़र रखी है और पाया है कि उनमें से प्रत्येक में कर लाभ उपभोक्ताओं को दिया गया है। उन्होंने कहा कि सितंबर के आखिरी नौ दिनों में ही खरीदारी में उछाल देखा गया।

ऑपरेशन सिंदूर तो बस ट्रेलर!

ब्रह्मोस की जद में पाकिस्तान की हर इंच ज़मीन-राजनाथ सिंह

नई दिल्ली/ एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि भारत की सैन्य ताकत उस मुकाम पर पहुंच गई है जहां जीत एक आदत बन गई है। लखनऊ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया है कि जीत अब हमारे लिए कोई मामूली बात नहीं है। जीत हमारी आदत बन गई है। राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई में निर्मित ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई। बयान में कहा गया है कि ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली के निर्माता ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने लखनऊ के सरोजिनी नगर स्थित अपने नए एकीकरण और परीक्षण केंद्र से इस मिसाइल प्रणाली की पहली खेप का सफलतापूर्वक उत्पादन किया है। उन्होंने सशस्त्र बलों की सटीकता और तैयारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत के दुश्मन अब देश की उन्नत मिसाइल क्षमताओं से बच नहीं सकते। रक्षा मंत्री ने कहा, देश को विश्वास है कि हमारे दुश्मन अब ब्रह्मोस से बच नहीं पाएंगे। पाकिस्तान की हर इंच ज़मीन अब हमारे ब्रह्मोस की पहुँच में है। राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में जो हुआ वह तो बस एक ट्रेलर था। लेकिन उस ट्रेलर ने ही पाकिस्तान को यह एहसास करा दिया कि अगर भारत पाकिस्तान को जन्म दे सकता है, तो मुझे इस बारे में और कुछ कहने की ज़रूरत नहीं है कि वह और क्या कर सकता है। उन्होंने कहा कि हर

एक मिसाइल सिर्फ हमारी रक्षा नहीं करती, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था को भी ताक़त दे रही है। मिसाइल के उत्पादन से मिलने वाले टैक्स से, सरकार कई स्कूल बना सकती है, कई हॉस्पिटल खड़े कर सकती है, और ऐसी योजनाएं चला सकती है, जो सीधे आम आदमी की ज़िंदगी को बेहतर करें। यानी ब्रह्मोस सिर्फहथियार नहीं है, यह हमारे बच्चों के लिए शिक्षा, हमारे परिवारों के लिए स्वास्थ्य देखभाल और पूरे समाज के लिए अवसरका रास्ता भी खोलता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि मुझे पूरा यकीन है, कि आने वाले समय में यह ह्य4ठ्ठद्गह्द4 और मज़बूत होगी, और ब्रह्मोस जैसी परियोजनाएं, न सिर्फहमें दुश्मन पर बढ़त दिलाएंगी, बल्कि हर भारतीय नागरिक के जीवन में नई रोशनी भी लेकर आएंगी। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस जैसी उपलब्धियाँ हमें यह विश्वास दिलाती हैं, कि मेड इन इंडिया अब सिर्फ़ एक नारा नहीं, बल्कि एक वैश्विक ब्रांड बन चुका है। और यह ब्रांड अब पूरी दुनिया में सम्मान पा रहा है एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने लखनऊ के सरोजिनी नगर में अपने नए अत्याधुनिक केंद्र से मिसाइलों की पहली खेप तैयार की है। 11 मई को शुरू हुए इस केंद्र में मिसाइलों के एकीकरण, परीक्षण और गुणवत्ता जांच की सभी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं।

रक्षा मंत्री ने बताई ब्रह्मोस की तकनीकी खासियतें

ब्रह्मोस मिसाइल की रेंज 290 किलोमीटर है और यह पूरी उड़ान के दौरान सुपरसोनिक गति से चलती है। इसकी तेज़ गति के कारण यह जल्दी लक्ष्य तक पहुँचती है, जिससे लक्ष्य का फैलाव कम होता है, तुरंत हमला संभव होता है और इसे दुनिया की किसी भी हथियार प्रणाली से रोकना मुश्किल है। ब्रह्मोस 'दागो और भूल जाओ' के सिद्धांत पर काम करती है, यानी इसे छोड़ने के बाद यह खुद विभिन्न रास्तों से टारगेट तक पहुंच जाती है। टकराने के समय इसकी तेज़ गति से विनाशकारी शक्ति बढ़ जाती है। यह 15 किलोमीटर की ऊंचाई तक उड़ सकती है और अंतिम चरण में 5 मीटर की कम ऊंचाईपर भी आ सकती है। यह मिसाइल 200 किलोग्राम तक का पारंपरिक विस्फोटक ले जा सकती है। अन्य आधुनिक सबसोनिक क्रूज मिसाइलों की तुलना में ब्रह्मोस की गति तीन गुना।

अब न आंखे डबडब, न कतार, सरकार की योजनाओं से घर-घर पहुंच रही पानी की धार

25 वर्षों में बेमेतरा जिले में जल क्रांति—नल से घर तक पहुंचा शुद्ध पेयजल, दूर होगी पानी की किल्लत

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के समय वर्ष 2000 में बेमेतरा जिले की तस्वीर कुछ अलग थी। गर्मी के मौसम में हैंडपंपों के आसपास भीड़ लगना, पानी के लिए कतारें लगाना और दूर-दूर से मटके में पानी लाना ग्रामीण जीवन का हिस्सा था। परंतु वर्ष 2025 में तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। राज्य सरकार की सतत प्रयासों, जल जीवन मिशन, नलजल योजना, सोलर ड्यूल पंप योजना जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं और स्थानीय प्रशासन की दृढ़ कार्यवाही के परिणामस्वरूप घर-घर नल से जल पहुँचने लगा है। अब न नालों की चिंता है, न टैंकरों की प्रतीक्षा, बेमेतरा ने सचमुच हर घर जल का सपना साकार किया है।

हैण्डपंप योजना : गांव–गांव तक पहुंचा भरोसेमंद जल स्रोत

राज्य गठन के समय वर्ष 2000 में बेमेतरा जिले में मात्र 3,857 हैण्डपंप एवं सिंगल फेस पॉवर पंप स्थापित थे। सरकार के निरंतर प्रयासों से वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 7,139 हो गई है। यानी कि कुल 3,282 नये हैण्डपंप एवं पॉवर पंप जोड़े गए हैं। इनसे जिले के 688 ग्रामों में पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे ग्रामीणों को लंबे समय तक स्वच्छ पेयजल सुलभ हो सका है। यह विस्तार केवल संख्या में वृद्धि नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन में स्थायित्व और सुरक्षा का प्रतीक है।

नलजल योजना : हर घर तक पाइपलाइन से स्वच्छ जल आपूर्ति

वर्ष 2000 में जिले में सिर्फ 32 नलजल योजनाएँ संचालित थीं। वर्ष 2025 में यह संख्या 127 योजनाओं तक पहुँच गई है, यानी 95 नई नलजल योजनाएँ आरंभ की गई हैं। इन योजनाओं के माध्यम से 127 ग्रामों के ग्रामीणों को 32,278 घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। अब हर घर में पाइपलाइन के जरिये स्वच्छ जल पहुँच रहा है। इससे महिलाओं और बच्चों को पानी लाने की दैनिक परेशानी से राहत मिली है तथा स्वास्थ्य में भी सुधार देखा गया है।

समूह जल प्रदाय योजना : कई ग्रामों के लिए एक साझा समाधान

वर्ष 2000 में समूह जल प्रदाय योजना स्वीकृत नहीं थी। वर्ष 2014 में पहली बार 3 समूह जल प्रदाय योजनाएँ स्वीकृत की गई 7 बेमेतरा समूह (57 ग्राम), नवागढ़ समूह (54 ग्राम) और साजा समूह (42 ग्राम)। इन योजनाओं से 153 ग्रामों के परिवारों को जल आपूर्ति सुनिश्चित की गई। वर्ष 2025 में जल जीवन मिशन के अंतर्गत 3 नई समूह जल प्रदाय योजनाएँ अमलडीहा, कुम्हीगुड़ा और खम्हरिया समूह स्वीकृत की गई हैं, जिनमें 219 ग्राम सम्मिलित हैं। इनमें अमलडीहा योजना 36त्न, कुम्हीगुड़ा 70% और खम्हरिया 49% तक पूर्ण हो चुकी है। पूरा होने पर नवागढ़ और साजा ब्लॉक के सैकड़ों परिवारों को शुद्ध पेयजल का लाभ मिलेगा।

निष्कर्ष : पानी से सजीव हुआ बेमेतरा

बेमेतरा जिले ने पिछले 25 वर्षों में जल प्रबंधन, तकनीकी नवाचार और योजनाबद्ध कार्यान्वयन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। जहाँ कभी पानी के लिए संघर्ष था, वहीं आज घर-घर नल से स्वच्छ जल पहुँच रहा है। सरकार की योजनाओं और प्रशासनिक टीम के सामूहिक प्रयासों से बेमेतरा ने जल आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। अब न आँखे डबडब, न कतार – सरकार की योजनाओं से हर घर में बह रही है जीवन की धार।

सोलर ड्यूल पंप योजना : विद्युत विहीन ग्रामों में सौर ऊर्जा से जल आपूर्ति

राज्य गठन के समय जिले में सोलर ड्यूल पंप योजना का अस्तित्व नहीं था, परंतु वर्ष 2025 तक 142 सोलर ड्यूल पंप स्थापित किए जा चुके हैं। जहाँ बिजली की सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहाँ सौर ऊर्जा आधारित पंपों के माध्यम से ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। यह कदम नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग और सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

एकल ग्राम जल योजना : जल जीवन मिशन से हर घर तक नल

जल जीवन मिशन के अंतर्गत 2000 में कोई योजना स्वीकृत नहीं थी, परंतु 2025 तक 719 योजनाएँ स्वीकृत की जा चुकी हैं। इनमें से 378 योजनाएँ पूर्ण होकर 1,34,010 घरों में नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। अब तक 251 ग्राम 'हर घर जल रिपोर्टेड' और 206 ग्राम 'हर घर जल प्रमाणित' घोषित किए जा चुके हैं। शेष योजनाओं पर कार्य तेज़ी से जारी है। यह अभियान ग्रामीण जीवन में स्वच्छता, स्वास्थ्य और सुविधा का नया अध्याय लिख रहा है।

घरेलू नल कनेक्शन : हर घर तक पानी की सुविधा

वर्ष 2000 में जिले में कोई घरेलू नल कनेक्शन नहीं था, जबकि 2025 तक 1,54,836 ग्रामीण हितग्राही परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं। अब हर घर में पाइपलाइन से जल पहुँच रहा है – हर घर नल, हर घर जल की अवधारणा साकार हो रही है।

25 वर्षों की जल क्रांति : आँकड़ों में प्रगति

योजना वर्ष 2000 वर्ष 2025 वृद्धि / उपलब्धि, हैण्डपंप योजना 3,857 7,139 +3,282 हैण्डपंप, नलजल योजना 32 127 +95 नई योजनाएँ, सोलर ड्यूल पंप नहीं थी 142 स्थापित विद्युत विहीन ग्रामों को लाभ, एकल ग्राम योजना नहीं थी 719 में से 378 पूर्ण 1,34,010 नल कनेक्शन, समूह जल प्रदाय योजना नहीं थी 6 (3 पूर्ण, 3 प्रगतिरत) 372 ग्राम लाभान्वित, घरेलू नल कनेक्शन नहीं थे 1,54,836 पेयजल घर-घर 7

कुष्ठ विकृति सुधार शिविर में जल तेल उपचार विधि की दी जानकारी, सेल्फ केयर किट का नि:शुल्क वितरण

बेमेतरा। स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ में छत्तीसगढ़ रजत जयंती के अवसर पर बेमेतरा जिला के कुष्ठ पीड़ित लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा, सुविधा, लाभ पहुंचाने के उददेश्य से कुष्ठ विकृति से बचाव शिविर का आयोजन किया गया, यह शिविर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अमृत लाल रोहलेडर के निर्देशानुसार, बीएमओ नवागढ़ डॉ एम एम रजा के मार्गदर्शन के साथ बीपीएम सी के देवांगन के नेतृत्व में 16 अक्टूबर 2025 को सीएचसी नवागढ़ में किया गया, जिसमें क्षेत्र के कुष्ठ लक्षण दिखाई देने वाले लोगों ने अपना जांच कराया और शिविर का लाभ उठाया,इस शिविर में कुष्ठ विकृति वाले कुल 35 मरीजों को जल तेल उपचार विधि बताया गया, इस तरह शिविर में संबंधित मरीजों को निः शुल्क माइक्रो सेल्यूलर रबर चप्पल का वितरण किया गया, साथ में टब एवं मरीजों को सेल्फ केयर किट का भी वितरण कर उपयोग की विधि को विस्तार से बताया गया। इस कुष्ठ विकृति से सुधार शिविर में स्वास्थ्य विभाग के कार्यक्रम का संचालन एवं उपचार विधि यू के ध्रुवे एनएमए एवं प्रमोद कुमार साहू फिजियोथैरेपिस्ट द्वारा बताया गया, इसके साथ ही चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने सेवा प्रदान किया।

खदान में ठेगा श्रमिकों की सुरक्षा मापदण्डों के साथ खिलवाड़

दल्लीराजहरा। खदान मजदूर संघ भिलाई संबंद्ध भारतीय मजदूर संघ राजहरा शाखा के सचिव लखनलाल चौधरी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 15 अक्टूबर को खदान मजदूर संघ का एक प्रतिनिधिमंडल महाप्रबंधक यंत्रीकृत खदान को एक शिकायत पत्र सौंपा और ठेका श्रमिकों को दीपावली पर्व के पूर्व बोनस की राशि दिलाने का आग्रह किया। चौधरी ने बताया कि राजहरा यंत्रीकृत खदान में चल रहें सपोर्ट सर्विस फॉर आपरेशन मेनटेनेंस एक्टीवीटी ऑफ सी एंड एस प्लांट आरएमएम में ठेकेदार (सोसायटी संचालक) द्वारा श्रमिकों को सुरक्षा उपकरण नहीं दिया जा रहा है और खदान में सुरक्षा के मापदण्डों के साथ खुलकर लापरवाही किया जा रहा है। वहां कार्यरत ठेका श्रमिकों ने बताया कि राजहरा इंजीनियरिंग वर्क्स के संचालक द्वारा श्रमिकों को कभी भी हेलमेट तक नहीं दिया है। ठेका नियमों में इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि हर 06 माह में ठेका श्रमिकों को सेफ्टी शू दिया जाना है मगर सोसायटी संचालक द्वारा साल भर बीत जाने के बाद भी मुश्किल से 01 जोड़ी जूता दिया जाता है, जोकि इनकी कार्यशैली को दर्शाता है। वर्तमान में चल रहे ठेके को भी इससे पहले सोसायटी द्वारा संचालित किया जा रहा था वह ठेका 2022 से 2024 तक चला था और बीएसपी प्रबंधन द्वारा समय से ठेका नहीं बनाने के कारण उस ठेके को सोसायटी को 03-03 माह के लिए दो बार बढ़ाया गया था लेकिन बहुत ही दुर्भाग्य की बात है कि अपने आप को श्रमिकों को मसीहा बताने वाले सोसायटी संचालक ने इस 06 माह में श्रमिकों को एक बार भी सेफ्टी

जूता और हेलमेट नहीं दिया गया और प्रबंधन द्वारा इस पर मौन सहमति प्रदान करना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। बताया गया कि आज पर्यन्त तक सोसायटी संचालक ने ठेका श्रमिकों को 06 माह का बोनस और छुट्टी का पैसा तक नहीं दिया है। और बीएसपी प्रबंधन सोसायटी संचालक के ऊपर किसी भी प्रकार की कार्यवाही करती नजर नहीं आती है। वर्तमान में चल रहा ठेका अक्टूबर 2024 में शुरू हुआ है और लगभग 01 साल पूरा होने को है और सोसायटी संचालक ने श्रमिकों सिर्फ 01 जोड़ी जूता दिया है और हेलमेट तो दिया ही नहीं है। जबकि सोसायटी संचालक इस बात को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं कि श्रमिकों को हर 06 माह में सेफ्टी जूता और हेलमेट दिया जाना है लेकिन उसके बाद भी ठेका श्रमिकों को नहीं देना और खदान में असुरक्षित तरीके से कार्य कराना और श्रमिकों की जान को जोखिम में डालना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। खदान मजदूर संघ के सचिव लखनलाल चौधरी ने आगे बताया कि इस ठेके को पूर्व में भी इसी सोसायटी के द्वारा संचालित किया जाता था और इसकी पूरी देखरेख और संचालन का कार्य, पुराने व्यक्ति द्वारा ही किया जाता था। लंबे से इस सोसायटी का सारा कार्य एक विशेष द्वारा ही किया जाता है। पूर्व में इसी ठेके में सोसायटी संचालक द्वारा वहां कार्यरत ठेका श्रमिकों का खुलकर शोषण किया गया था। अपने आपको ठेका श्रमिकों का मसीहा बताने वाले इसी ठेके में ठेका श्रमिकों से 26 दिन काम करवा कर श्रमिकों को 14 दिन का वेतन देते थे और ऐसा इसलिए संभव था क्योंकि वहां कार्यरत सभी ठेका श्रमिक सेमीस्कीलड श्रेणी के थे। मगर बीएसपी के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से श्रमिकों को बताया गया था कि सभी श्रमिक अनस्कीलड श्रेणी के है और इस तरह सोसायटी संचालक ने ठेका श्रमिकों की खून पसीने की कमाई को लूट लिया था और उसी तर्ज पर कार्य करते नजर आ रहे हैं। और कार्य सम्पन्न होने के एक साल बाद भी श्रमिकों को उनके हक का पैसा बोनस और छुट्टी का पैसा नहीं दिया जा रहा है। चौधरी ने आगे बताया कि बहुत जल्द ही खदान मजदूर संघ का एक प्रतिनिधिमंडल सोसायटी संचालक द्वारा पूर्व में ठेका श्रमिकों से 26 दिन कार्य करवा कर 14 दिन का भुगतान किया है और श्रमिकों और कंपनी के पैसों का गबन किया है। इसकी शिकायत किया जायेगा और पुनः जांच की मांग करेगी। प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से खदान मजदूर संघ के अध्यक्ष मुश्ताक अहमद, प्रकाश ठाकुर, विवेक कुमार, रमेश साहू एवं अन्य श्रमिकों की उपस्थिति थी।

सैनिक स्कूल अम्बिकापुर में कक्षा 6वीं एवं 9वीं में प्रवेश परीक्षा के लिए आनलाईन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ

दल्लीराजहरा। सैनिक स्कूल अम्बिकापुर में शिक्षा सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं एवं 9वीं में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा के लिए आनलाईन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। प्राचार्य सैनिक स्कूल अंबिकापुर रीमा सोबती ने बताया कि कक्षा 6वीं एवं 9वीं में प्रवेश परीक्षा हेतु ऑनलाईन आवेदन 30 अक्टूबर को शाम 05.30 बजे तक राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की वेबसाईट www.nta.ac.in https//e&ams.nta.ac.in में किया जा सकता है। इसके साथ ही आनलाईन आवेदन शुल्क 31 अक्टूबर को रात्रि 11.50 तक जमा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षा की तिथि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की वेबसाईट पर घोषित कर दी जाएगी।

पांच दिवसीय इंटर्नशिप कार्यशाला का आयोजन

बेमेतरा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशानिर्देशों के अंतर्गत राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में पीएम श्री योजनांतर्गत पीएम श्री सेजेस राठी इंग्लिश मीडियम स्कूल, बेमेतरा में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग तथा पाइथन प्रोग्रामिंग पर पाँच दिवसीय इंटर्नशिप कार्यशाला का आयोजन 13 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2025 तक किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्य म में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के लगभग 50 छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। कुल 30 घंटे की अवधि वाले इस इंटर्नशिप सत्र के उपरांत नाईलिट भुवनेश्वर द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। कार्यशाला में प्रशिक्षक तोरण साहू एवं टिकेश्वर साहू के मार्गदर्शन में विद्यार्थी कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मूल अवधारणाओं, इसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों और दैनिक जीवन में उपयोगिता के बारे में सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य के रोजगार, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में अपार संभावनाओं के द्वार खोल रही है, जिससे विद्यार्थियों को नई दिशा और अवसर प्राप्त होंगे। यह कार्यशाला विद्यार्थियों में तकनीकी ज्ञान, रचनात्मक सोच, तार्किक क्षमता एवं नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करने में सहायक सिद्ध हो रही है।

कबड्डी में डीएवी जांता अंडर-19 के बालक राष्ट्रीय स्तर में चमकेंगे

बालक बालिकाओं का प्रतियोगिता में रहा शानदार प्रदर्शन

बेमेतरा। डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स के राज्य स्तरीय 2 दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं का शानदार आयोजन बसंत बिहार एस ई सी एल बिलासपुर में आयोजित किया गया है। जिसमें छत्तीसगढ़ के कुल 26 जिलों से 97 स्कूलों के लगभग 1000 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न 32 खेलों में हिस्सा लिया। 2 दिवसीय खेल का उदघाटन समारोह के मुख्य अतिथि डीएवी संस्थान छत्तीसगढ़ के प्रमुख रीजनल ऑफिसर, क्षेत्रीय अधिकारी प्रक्षेत्र अ डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स छत्तीसगढ़ जोनल कोऑर्डिनेटर प्रशांत कुमार जी उपस्थित रहे। डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता के प्राचार्य पी एल जायसवाल ने प्रेस वार्ता में बच्चों को बधाई व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बताया कि अत्यंत हर्ष का विषय है कि डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता के बच्चों ने राज्य स्तरीय कबड्डी खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जिसमें अंडर 19 कबडडी बालक राष्ट्रीय स्तर के लिए

फाइनल में क्लस्टर 1 में स्वर्ण पदक से सम्मानित हुए और नेशनल दिल्ली के लिए चयनित हुए और अभी कुछ दिनों पहले ही अंडर 17 कबडडी में बालिकाओं के ने भी राष्ट्रीय स्तर के लिए फाइनल में क्लस्टर 2 में स्वर्ण पदक से सम्मानित होकर नेशनल दिल्ली के लिए चयनित है, यह उपलब्धि विद्यालय परिवार के लिए अत्यधिक गर्व की बात हैं। बच्चों ने उत्साहपूर्वक अपने जीत का श्रेय अपने माता-पिता, प्राचार्य, स्कूल शिक्षक, विशेष रूप से खेल शिक्षक अखिलेश पटेल को दिया। विद्यालय से ललित देवांगन, गोविंद साहू, अकलेश पटेल, आयुषी जैन, दीपिका वर्मा, विमल साहू, ऐश्वर्य देशमुख, साक्षी शर्मा, संदीप कुमार साहू,ममता चंद्राकर, अमित कुमार साहू, अभिषेक कुमार, प्रवीण कुमार, शोभा रानी, पूनम शर्मा, रेणुका पटेल, रितिका साहू, राजा तंतुवाय,लेखनी चंद्राकर, प्रीति यादव, माननी, स्वप्निल शर्मा, आर्य निधि, गौरी यादव, भारती, अनिल कुमार, कैलाश सिंह, अन्नू चन्द्रकाकर, सुखदेव साहू, रूखमणी, रामेश्वरी, युवराज चंद्राकर, नरेश, विजय चंद्राकर, सुभाष सहित पालकों ने हर्ष व्यक्त किए हैं।

ग्राम पंचायत बसनी सरपंच सहित ग्रामीणों ने विधायक दीपेश साहू से भेंट कर किया आभार व्यक्त

बेमेतरा। बेमेतरा जिले के जनपद पंचायत बेमेतरा की सरपंच प्रीति यदु पिता जितेन्द्र यदु ने ग्राम पंचायत की ओर से बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक दीपेश साहू के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि विधायक दीपेश साहू के विशेष प्रयासों से ग्राम बसनी को मिडिल स्कूल की सौगात प्राप्त हुई है। ग्राम में 88 वर्षों से संचालित प्राथमिक शाला के उन्नयन की मांग लंबे समय से की जा रही थी, जिसे विधायक साहू ने संज्ञान में लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिँह से अनुरोध किया था। जिसके बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बेमेतरा मे आयोजित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम मे प्राथमिक शाला के उन्नयन की सौगात दी। सरपंच प्रीति यदु ने कहा हमारे ग्राम के बच्चों को अब उच्च शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। मिडिल स्कूल की स्वीकृति से गांव के बच्चों के उज्जवल भविष्य का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इसके लिए ग्रामवासियों की ओर से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिँह, विधायक दीपेश साहू का तहेदिल से आभार व्यक्त किया।

उन्होंने आगे यह भी निवेदन किया कि विद्यालय भवन में वर्तमान में केवल चार कक्षाओं की व्यवस्था है, जबकि कक्षा पाँच तक का संचालन हो रहा है। अतः ग्राम पंचायत ने विधायक साहू से अतिरिक्त कक्ष निर्माण की भी मांग की है ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके। विधायक दीपेश साहू ने ग्राम पंचायत बसनी की सरपंच प्रीति जितेंद्र यदु और ग्रामवासियों के आभार पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा शिक्षा ही विकास का सबसे सशक्त माध्यम है। मेरा संकल्प है कि बेमेतरा विधानसभा का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। ग्राम बसनी जैसे सुदूर अंचलों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुविधा पहुँचना मेरा दायित्व है, और मैं इसके लिए निरंतर प्रयासरत हूँ। विद्यालयों का उन्नयन केवल भवन निर्माण नहीं, बल्कि बच्चों के भविष्य की नींव मजबूत करने का कार्य है। आने वाले समय में बसनी सहित पूरे क्षेत्र में शैक्षणिक ढाँचे को और सुदृढ़ किया जाएगा। इस दौरान ग्राम पंचायत बसनी शांति निषाद उपसरपंच पंच मुन्नीबाई लहरे अहिल्या साहू, राजेश्वर यादव, लक्ष्मी साहू प्रेमा साहू, कमलेश यदु, जागेश्वरी साहू सनत कुमार यदु, सरोज निषाद, अंबिका साहू ग्रामीण संतोष यादव, पुनाराम, भारत साहू, रामनाथ साहू, राजेश मिश्रा, बल्लू लहरे, राजकुमार साहु गजेंद्र साहू यादव, जीवन, सेतराम यदु, कलिराम निषाद रिझान निषाद, ईश्वर यादव बसंत लहरे बिसनाथ साहू संतराम निशाद रामकेवल यदु रामनेवज एवं अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

समाधान महाविद्यालय में मिलेट्स फूड फेस्टिवल का आयोजन, विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए मिलेट्स के व्यंजन

बेमेतरा। सर्वतोमुखी समाधान शिक्षा संस्कार समिति द्वारा संचालित समाधान महाविद्यालय एवं आईटीआई में मिलेट्स फुड फेस्टिवल का कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदना से किया गया। महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ.अवधेश पटेल ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उनका कहना था कि मिलेट्स, जैसे रागी, बाजरा, ज्वार और कोदो भारत सरकार की योजनाओं के तहत स्वास्थ्य और पौष्टिक आहार के रूप में बढ़ावा दिया गया है। ये प्रोटीन, फाइबर और आवश्यक मिनरल्स से भरपूर होते हैं। कार्यक्रम के अतिथि बेमेतरा जिले के शासकीय पूर्व माध्यमिक आत्मानंद कन्या विद्यालय के प्रधानपाठक रामेश्वर प्रसाद बंजारे व शिक्षक रोहिणी साहू, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पिकरी के प्रधानपाठक धनीराम साहू व शिक्षक भरत साहू, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बीजाभाट के प्रधानपाठक युगल किशोर व शिक्षक शैलेंद्र राजपूत, शांति देवांगन, मीना तिवारी एवं शासकीय माध्यमिक नवीन स्कूल के शिक्षक संतोष देवांगन निर्णायक के रूप में रहें। इन सभी ने विद्यार्थियों की प्रतिभा, रचनात्मकता,

टीमवर्क की प्रशंसा करते हुए कहा कि छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार किए गए मिलेट्स के व्यंजन पौष्टिकता से परिपूर्ण है। यह आयोजन न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि यह स्थायी और स्वस्थ खाने की आदतों को बढ़ावा देने में भी मदद करता हैं। इससे वे अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर एक स्वस्थ भविष्य की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। निर्णायको द्वारा निर्णय लेने में टेस्ट, डेकोरेशन एवं हेल्थ पर विशेष ध्यान दिया। फूड फेस्टिवल में कुल 25 स्टालों का नाम छत्तीसगढ़ की नदियां जैसे-महानदी, शिवनाथ, हसदेव, अरपा, इंद्रावती, सकरी, सोन, गोदावरी, सोंढूर, कोटरी, जोक, पैरी, बाघ, तांदुला, मनियारी, हाफ, मांड, सबरी, लीलागर, केलो, रिहंद, रेणुका, नर्मदा व मारी पर रखा गया।

विद्यार्थियों द्वारा अपने स्टॉल की व्यंजनों की विशेषता, बनाने की विधि एवं पौष्टिकता के बारे में विस्तार से बताया। इन व्यंजनों में प्रमुख रूप से कोदो की खीर, रागी अंबाली, अंकुरित चना, अप्पे, दूध फरा, चीला रोटी, मूंग भेल व छत्तीसगढ़ी व्यंजन बनाए गए थे। इसके अलावा नींबू पानी, चावल, चौसेला, लिट्टी चोखा, मिठाई, बड़ा, बोरेबासी, ब्रेड पकोड़ा, मंचूरियन, स्वीट कॉर्न चार्ट, कपकेक्स, गुपचुप, कॉफी, मोमोस, चाऊमिन ,पूरी छोले, गुजिया, लस्सी, लेमन टी, पान, अरसा, मिर्ची भजिया, पान एवं ढोकला भी बनाया गया। अतिथियों द्वारा सभी स्टालों के व्यंजनों का सजावट का अवलोकन कर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान की घोषणा की गई। सोनम, भूमि, नूरी व महेंद्र रेणुका नदी ग्रुप से प्रथम एवं हाफ नदी से पार्वती धुर्वे, रानू कुंजाम, मानसी नेताम, प्रगति यादव व नेहा द्वितीय तथा मनियारी नदी ग्रुप से तारा, बबीता, भूमि, रश्मि व दीपांजलि तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को पुरस्कार व ई-सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया। अतिथियों को महाविद्यालय के डायरी, शाल व श्रीफल से सम्मानित किया गया। मंच का संचालन सहायक प्राध्यापक हरीश कुमार पटेल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के उपप्राचार्य लक्ष्मीनारायण साहू, आईटीआई की प्राचार्या आशा झा, अधीक्षक आकाश हिरवानी एवं समस्त सहायक प्राध्यापक निधि तिवारी, संगीता अग्रवाल, विनीता अग्रवाल, राजेंद्र वर्मा, योगेश्वर सिन्हा, रूपेंद्र डहरिया, स्वाति पटेल, नंदिनी वर्मा, प्रीति शर्मा, राजेश गजपाल, राजेश यादव, अंशु दत्ता, शुभम गजभिये, रेशमा पटेल, गायत्री राजपूत, तुकाराम जोशी, हुतेन्द्र कुमार सिन्हा, होरीलाल देवांगन, अमित कुमार पटेल, नूतन मिश्रा, श्रीयता तिवारी, रितेश साहू, डिकी सलूजा, शिवराज साहू, पीलादास कुर्रे, जोगेंद्र साहू, रितेश साहू व धर्मपाल नोन्हारे सहित समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

महुआ शराब बेचने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले की थाना राजादेवरी पुलिस ने समाधान सेल में प्राप्त सूचना के आधार पर अवैध महुआ शराब बिक्री करने वाले तीन शराब कोचियों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से 110 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 16.10.2025 को समाधान सेल में प्राप्त सूचना के आधार पर थाना राजादेवरी की पुलिस टीम द्वारा ग्राम कोर्राडीह तिराहा मेनरोड में घेराबंदी कर बिक्री करने के लिए अवैध महुआ शराब ले जाते हुए 3 आरोपियों नरेंद्र उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम बलौदा थाना गिधौरी, नंदलाल बरिहा उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम गनियारी थाना सलिहा जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ तथा हेमंत बरिहा उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम गनियारी थाना सलिहा जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी शराब कोचियों से 22,000 कीमत मूल्य का 110 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब एवं अवैध महुआ शराब परिवहन में प्रयुक्त एक ऑल्टो कार सीजी10 एनए 4832 एवं पल्सर मोटरसाइकिल सीजी 06 एचसी 1067 जप्त किया गया है। आरोपियों से अवैध महुआ शराब, 01 कार, 01 मोटरसाइकिल बरामद किया गया है। आरोपियों के विरुद्ध थाना राजादेवरी में धारा 34(2) आबकारी के तहत प्रकरण पंजीबध्द कर आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है। प्रकरण विवेचना में है।

चाकू दिखाकर लोगों को डराने वाला आरोपी पकड़ाया

रायपुर। जिले की थाना बसंतपुर पुलिस ने आम लोगो चाकू दिखाकर भयभीत करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा उसके कब्जे से चाकू बरामद कर आर्म्स एक्ट के तहत् कार्यवाही कर जेल भेजा गया है। बता दें कि पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मोहित गर्ग के मार्गदर्शन पर श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के दिशा निर्देश पर अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु लगातार विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी में निरीक्षक एमन साहू थाना प्रभारी बसंतपुर के नेतृत्व में आज दिनांक 16.10.2025 को सूचना प्राप्त हुआ कि विकास यदु पिता शिव कुमार यदु निवासी चौखडियापारा राजनांदगांव का गौरव पथ रोड में अपने हाथ में चाकू लेकर आने जाने वाले आम नागरिको को डरा धमका रहा है। सूचना के आधार पर गठित टीम को मौके पर रवाना किया गया तथा उपरोक्त टीम द्वारा आरोपी विकास यदु के कब्जे से एक नग धारदार चाकू जप्त कर धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत् कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय से आरोपी को जेल वारंट प्राप्त होने पश्चात जिला जेल राजनांदगांव दाखिल किया गया।

अवैध शराब बेचते दो आरोपी गिरफ्तार,देशी मदिरा बरामद

रायपुर। जिले की थाना डोंगरगढ़ पुलिस ने अवैध शराब बिक्री पर सख्त कार्यवाही करते हुए एक व्यक्ति को देशी -विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। मामले में आरोपी के खिलाफ धारा-34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 15.10.2025 को शासकीय वाहन के साथ के साथ थाना क्षेत्र पेट्रोलिंग जुर्म जरायाम पतासाजी करते हुये ग्राम मुरमुदा के तरफ से डोंगरगढ की ओर आ रहे थे तभी एक मोटर सायकल मे दो व्येक्ति मेढा की तरफसे तेज गती से डोंगरगढ की तरफजा रहे थे जो अपनी बीच मे कुछ समान रख हुआ है अत्याधिक तेज व पुलिस की गाडी को देखकर अपनी मोटर सायकल की गती को और बढाने लगे जिस पर वाहन को रोकने हेतु सायरन देते हुये रूकवाने की कोशिश किये जिससे चालक और अपनी स्पीड बढ़ाने लगा और 01 किलोमिटर डोंगरगढ से पिपरिया तिराहा अंधेरे होने की वजह से वे दोनो व्यक्ति अपने मोटर सायकल को न सामलते हुये गिर गये जिससे मौके पर दोनो व्यक्तियो को पकडा गया नाम पता पुछने पर अपना नाम रंजन निषाद पिता महेश निषद उम्र 25 साल साकिन निवासी ग्राम मेढा थाना डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव तथा पप्पु निषाद पिता महराजी निषाद उम्र 27 साल ग्राम मालडोगरी थाना छुरिया जिला राजनांदगांव बताया जिसके कब्जे से अवैध रूप से अवैध रूप से एक बडा थैला जिसम सुरूची लिखा हुआ पिला लाला रंग का जिसमे 50 पौवा सवा शेरा देशी मदिरा कुल मात्रा 9.000 बल्क लिटर एवं 07 नग बाम्बे गोवा व्हीस्की अंग्रेजी शराब कुल मात्रा-1.260 बल्क लिटर और मोटर सायकल सीडी डिलक्स क्रमांक-सीजी 08 एनबी 2254 जप्त किया गाया है।

जेल के अंदर हिस्ट्रीशीटर कैदी ने बनाया विडियो,मचा हड़कंप

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित सेंट्रल जेल से एक बार एक कैदी का विडियो वायरल हुआ है। यह विडियो रायपुर सेंट्रल जेल की बैरक नंबर-15 से बनाया गया है जिसमें एनडीपीएस एक्ट के तहत सजा काट रहा कैदी मोहम्मद रशीद अली उर्फ राजा बैजड़ दिखाई दे रहा है। बताया जाता है कि कैदी ने जेल के अंदर से अपने किसी रिश्तेदार को विडियो कॉल किया था। उक्त विडियों के वायरल होने से जेल प्रशासन पर सवाल उठ रहे है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सर्व पिछड़ा वर्ग समाज के स्थापना दिवस में हुए शामिल

90 करोड़ के निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास

■ मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मोदी की गारंटी को पूर्ण करने के लिए प्रदेश सरकार पिछले 22 महीनों से समर्पण के साथ कार्य कर रही है

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर में आयोजित सर्व पिछड़ा वर्ग समाज के 13वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने 90 करोड़ रुपये की लागत से 26 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने जिले के प्रत्येक विकासखंड में 50-50 लाख रुपये की लागत से एक-एक सामुदायिक भवन के निर्माण तथा पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में ओबीसी विद्यार्थियों की सीटों में वृद्धि करने की घोषणा की। कार्यक्रम में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव तथा वित्त मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार पिछड़ा वर्ग के विकास और हितों को लेकर पूरी तरह संवेदनशील और प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग को संवैधानिक अधिकार प्रदान किए गए हैं, जिसके लिए पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन भी किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन केवल प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि बस्तर के विकास में सबसे बड़ी बाधा नक्सलवाद अब समाप्ति की ओर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि शासन की नीतियों और रीति-नीति से प्रभावित होकर जगदलपुर में आज 210 भटके हुए लोग मुख्यधारा में लौटे हैं तथा उन्होंने 153 हथियार भी जमा किए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मोदी की गारंटी को पूर्ण करने के लिए प्रदेश सरकार पिछले 22 महीनों से समर्पण के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने वायदे के अनुरूप तेंदूपत्ता खरीदी की कीमत में

वृद्धि की, 3100 रुपये प्रति क्विंटल के मान से धान खरीदा, रामलला दर्शन योजना लागू की तथा मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना को पुन: प्रारंभ किया। इसके अतिरिक्त भी अनेक जनहितकारी और महत्वाकांक्षी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने सर्व पिछड़ा वर्ग समाज के स्थापना दिवस की बधाई देते हुए समाजजनों से शासन की योजनाओं से जुड़कर विकास में सहभागी बनने की अपील की। इससे पूर्व उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने समाजजनों को बधाई देते हुए समाज में अपनी भूमिका को और सशक्त करने का आह्वान किया। वित्त मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी ने कहा कि पिछड़ा वर्ग समाज मेहनतकश और कर्मठ है। उन्होंने आने वाली पीढ़ी को बेहतर ढंग से शिक्षित करने और अपने अधिकारों के प्रति सजग एवं जागरूक रहने की अपील की। उन्होंने जिले में संचालित 'मावा मोदोल कोचिंग संस्थान' की सराहना करते हुए अधिक से अधिक युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने सर्व पिछड़ा वर्ग सम्मेलन के दौरान कुल 90 करोड़ 06 लाख 88 हजार रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें 56 करोड़ 51 लाख 40 हजार रुपये की लागत से 14 विकास कार्यों का शिलान्यास तथा 33 करोड़ 55 लाख 48 हजार रुपये की लागत से 12 निर्माण कार्यों का लोकार्पण सम्मिलित है।कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने ओबीसी वर्ग के तीन मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर सांसद श्री भोजराज नाग, अंतागढ़ विधायक श्री विक्रम उसेंडी, भानुप्रतापपुर विधायक श्रीमती सावित्री मंडावी, कांकेर विधायक श्री आशाराम नेताम, पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष श्री नेहरू निषाद, प्रदेश मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री भरत मटियारा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

लखपति दीदी बनकर श्यामा सिंह आत्मनिर्भरता बनी मिसाल

■ श्यामा को मिली नई पहचान, सेंट्रिंग प्लेट के व्यवसाय से हर महीना 50 हजार की आय

रायपुर/ संवाददाता

कभी आर्थिक तंगी से जूझने वाली सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत नवानगर की श्यामा सिंह आज अपने क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं। राज्य और केंद्र सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन आज ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। बिहान योजना के माध्यम से लखपति दीदी श्यामा सिंह ने अपने जीवन में आर्थिक संबल की नई राह बनाई है। हर बहन-बेटी अच्छी तरह जानती है कि जब वो कमाने लगती है तो कैसे उसका अधिकार बढ़ जाता है। घर-परिवार में उसका सम्मान बढ़ जाता है। जब किसी बहन की कमाई बढ़ती है तो परिवार के पास खर्च करने के लिए पैसे भी ज्यादा जुटते हैं। एक बहन का भी लखपति दीदी बनना, पूरे परिवार का भाग्य बदल रहा है। श्यामा की लखपति दीदी सफर सरगुजा जिले की श्यामा, विकास महिला स्वयं सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं, जो महामाया आजीविका संगठन और रोशनी आजीविका संघ, दरिमा क्लस्टर के अंतर्गत कार्यरत है। वे बताती हैं कि पहले उनके पास कोई काम नहीं था, न ही स्थायी आमदनी का कोई साधन था। उन्होंने बताया कि बिहान योजना से जुड़ने के बाद उन्हें काफी आत्मविश्वास मिला जिससे आर्थिक सशक्तिकरण की राह भी खुली। इस योजना के तहत उन्हें समूह बैठकों और प्रशिक्षण शिविरों में विभिन्न आजीविका गतिविधियों की जानकारी दी गई। इसी दौरान उन्हें सेंट्रिंग प्लेट के व्यवसाय के बारे में भी बताया गया, श्यामा ने अपने समूह से 95 हजार रुपए का ऋण लेकर 30 सेंट्रिंग प्लेट के साथ व्यवसाय की शुरुआत की। शुरुआत में काम छोटा था, पर मेहनत और लगन से आज उन्होंने इस कार्य को एक सफल व्यवसाय में बदल दिया है।

हर घर इस दीपावली में स्वदेशी समान हर भारतीय खरीदे सैल्यूट तिरंगा का संदेश

रायपुर। राष्ट्रवादी संगठन सैल्यूट तिरंगा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का 16 अक्टूबर आज भिलाई शहर में आगमन राष्ट्रीय संरक्षक सांसद विजय बघेल जी के निवास पर हुआ इस अवसर पर माननीय सांसद जी ने भिलाई आगमन पर उनका पुष्प कुछ से स्वागत किया और छत्तीसगढ़ इकाई के द्वारा हितेश तिवारी, मनोज ठाकरे फौजी अरुण सावरकर प्रशांत क्षीरसागर द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया है इस अवसर पर राष्ट्रवादी संगठन द्वारा चलाए जा रहे अभियान के विषय में और आगामी कार्यक्रम को लेकर विचार मंथन हुआ। उक्त आशाय की जानकारी सैल्यूट तिरंगा संगठन के प्रदेश महामंत्री मनोज ठाकरे ने बताया। विगत 8 वर्षों से राष्ट्रवादी संगठन सैल्यूट तिरंगा भारत सहित भारत के बाहर 15 देश में सतत कार्य कर रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की पत्रकारों से चर्चा कहा

बस्तर में नक्सलवाद सिमट रहा तो यह कांग्रेस की नीति का परिणाम..

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि आज सरकार ने फिर समर्पण इवेंट किया है। आज बस्तर में नक्सलवाद पीछे जा रहा है तो इसके पीछे कांग्रेस की नीतियां है। बस्तर में हमने विश्वास, विकास, सुरक्षा के मंत्र को लेकर पांच सालों तक जो काम किया उसी का परिणाम है आज सफलता मिल रही है । हमारी सरकार ने दूरस्थ एरिया में सड़के बनवाई, 15 सालों की भाजपा सरकार में जहां राशन नहीं पहुंच पाता था, लोगों को और फोर्स को महीनों राशन का इंतजार करना पड़ता था वहां तक सड़के बनवाई। सुरक्षा बलों और स्थानीय निवासियों के बीच बेहतर समझ का माहौल तैयार किया, लोगों का भरोसा सुरक्षा बलों के प्रति बढ़ा। बस्तर में बंद सैकड़ों स्कूलों को फिर से चालू किया। 65 से अधिक वनोपजो को खरीदने की व्यवस्था की, उनका वैल्यू एडिशन किया, बस्तर में डेनक्स जैसे संस्थानों की स्थापना की, अबूझमाड़ में पुल बनाया। रोजगार के साधन बनाए। हमारे प्रयासों का नतीजा था कि 2021 में ही केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अधिकृत तौर पर कहा कि बस्तर से नक्सलवाद 65 प्रतिशत कम हो गया है। कांग्रेस की सरकार के प्रयासों से बस्तर में नक्सलवाद 40 किमी के दायरे में सिमट गया था। यह सरकार तो केवल इवेंट कर रही, मुख्यमंत्री यह बताए कि 2024 के बाद उन्होंने कितने कैंप बनाए। बस्तर के लिया ऐसा क्या किया जिसे वे उपलब्धि बता सकते है। आज के पहले जितने नक्सली सरेंडर किए उनका डिटेल तो यह दे नहीं पाए। सरकार के दावे के अनुसार अभी तक दो हजार से ज्यादा नक्सली सरेंडर कर चुके है, सरकार बताए उनके द्वारा हथियार कितना जमा कराया गया?

भारी मालवाहक वाहन शाम 5 से रात 9 तक शहर में प्रवेश नही.....

■ रायपुर -जगदलपुर मार्ग वाले मालवाहक वाहन परिवहन संघो का सराहनीय पहल

रायपुर/ संवाददाता

रायपुर शहर में रायपुर जिला वासियों के अलावा अन्य जिलों से खरीददारी करने काफी संख्या में लोग आते है जिससे शहर के प्रत्येक मार्गों पर यातायात का दबाव बढ़ जाता है। रायपुर -धमतरी-जगदलपुर की ओर से आने वाले भारी मालवाहक वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग 30 से कौशिल्या विहार चौक होकर पचपेड़ी नाका चौक तक तथा पुराना धमतरी रोड से सेजबहार डुंडा-संतोषीनगर चौक होकर रिंग रोड 01 में प्रवेश कर रिंग रोड 01 होते हुए दूसरे शहरों की ओर जाती है। संध्या से रात्रि तक सड़कों पर काफी भीड़भाड़ रहता है जिससे भारी मालवाहक वाहनों के आवागमन से जनसुरक्षा के लिए खतरा बना रहता है। इस समस्या को देखते हुए रायपुर -जगदलपुर मार्ग के प्रदीप पाठक, अध्यक्ष बस्तर परिवहन संघ जगदलपुर, मनोज सिंह, अध्यक्ष बैलाडीला ट्रक ओनर एसोसियेशन बैलाडीला, किशोर आर्य, अध्यक्ष नारायणपुर ट्रक मालिक संघ नारायणपुर, गुरदीप सिंग, अध्यक्ष भानुप्रतापपुर परिवहन संघ भानुप्रतापपुर, सुखदेव सिंह सिद्धू, अध्यक्ष रायपुर बस्तर कोरापुट परिवहन संघ रायपुर, अजय शुक्ला, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ सीमेंट ट्रांसपोर्ट एसोसियेशन एवं अध्यक्ष, पंखाजुर परिवहन संघ पंखाजुर ने स्वमेव वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह से मुलाकात कर अपनी बात रखी कि शाम के समय 5 बजे से रात 9 बजे तक त्यौहारी सीजन के कारण पचपेड़ी नाका, संतोषी नगर, रिंग रोड 01 में काफी भीड़ लग रही है, बड़ी गाड़ियों के कारण जाम की स्थिति बनती है साथ ही दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। इस मार्ग के परिवहन संघो ने निर्णय लिया है कि शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक अपने आयरन ओर, कोयला एवं सीमेंट का परिवहन करने वाले भारी मालवाहक वाहनों को अभनपुर के आगे चंडी मोड़ के पास तथा पुराना धमतरी रोड में भरेंगा भांठा से आगे सड़क किनारे सुरक्षित स्थानों में रोक देंगे। रात 9 बजे के बाद वाहन लेकर आएगे तब तक शहर का भीड़ कम हो जाए रहेगा।

आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित आबकारी नीति पर लायसेंसियों से आमंत्रित किए गए सुझाव

रायपुर। आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए आबकारी विभाग की प्रस्तावित नीति को लेकर सचिव सह आबकारी आयुक्त श्रीमती आर. शंगीता द्वारा विभाग से संबद्ध समस्त लायसेंसियों की बैठकें आयोजित की गईं। ये बैठकें 13, 14 और 15 अक्टूबर 2025 को संपन्न हुईं। बैठकों का उद्देश्य आगामी नीति निर्माण से पूर्व उद्योग से जुड़े सभी हितधारकों से व्यवहारिक सुझाव प्राप्त कर नीति को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और व्यावहारिक बनाना था। पहली बैठक दिनांक 13 अक्टूबर को प्रदेश में स्थापित आसवनी एवं बॉटलिंग इकाई के संचालकों/प्रतिनिधियों के साथ हुई, जिसमें आयात-निर्यात शुल्क, बॉटलिंग फीस, लाइसेंस फीस, काउंटरवेलिंग ड्यूटी, देयकों के ऑनलाइन भुगतान, नवीन बोतलों के उपयोग तथा भंडारण भंडारगार के अवकाश दिवसों में संचालन जैसे विषयों पर चर्चा की गई। दूसरी बैठक 14 अक्टूबर को प्रदेश के बाहर स्थित विदेशी मदिरा निर्माताओं और प्रदायकर्ताओं के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित की गई। इसमें काउंटरवेलिंग ड्यूटी, हैंडलिंग चार्ज, आयात-निर्यात शुल्क, बॉटलिंग फीस, लाइसेंस फीस और विदेशी मदिरा गोदामों से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

दीयों से नहीं, आत्मनिर्भरता से रोशन हुई मोहला की महिलाओं की दीपावली

■ पारंपरिक ज्ञान और रचनात्मकता का बखूबी उपयोग कर रही हैं महिलाएं

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में शासन के द्वारा सभी के विकास के लिए नीतियों का निर्माण कर समावेशी विकास का प्रयास मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इसमें मानव संसाधन में आधी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और स्वाभिमानपूर्वक जीने के लिए हौसला देने की भूमिका दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान निभा रही हैं। इस दीपावली पर ऐसी ही मिशाल मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले की महिलाओं ने उदाहरण प्रस्तुत किया है। जहां ग्रामीण महिलाओं ने बिहान के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा सकती हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर महिला स्व-सहायता समूहों ने दीपावली के पारंपरिक पर्व को अवसर में बदल दिया है। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के जहां ग्राम केवट टोला, मोहला और भोजटोला की निवासी महिलाओं ने सामूहिक प्रयासों के साथ अपने पारंपरिक ज्ञान और रचनात्मकता का उपयोग करते हुए दीपावली के उपयोगी वस्तुओं का उत्पाद कर रही हैं। समूह की महिलाए रंगोली पाउडर, रुई की बाती, लक्ष्मी माता की मिट्टी से बनी मूर्तियाँ, अगरबत्ती, मिट्टी के दीये और मटके साथ ही पारंपरिक साड़ियाँ और मनिहारी सामग्री जैसे उत्पाद अपने ही हाथों से तैयार किए। महिलाओं ने इन उत्पादों की गुणवत्ता और पारंपरिकता पर विशेष ध्यान दिया, ताकि बाजार में उन्हें अच्छी मांग मिल सके। त्यौहार के पहले ही सप्ताह से इन महिलाओं ने मोहला के साप्ताहिक बाजार में दुकानें लगाई, जो लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया, जहां उन्हें आवश्यक उत्पाद उचित मूल्य पर प्राप्त हुए। ग्राहकों को यह हस्तनिर्मित वस्तुएं बहुत पसंद आई और सभी ने इनकी सराहना की, जिससे महिलाओं का मनोबल बढ़ा है। बिक्री से प्राप्त आय ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सहयोग तो दिया ही, साथ ही उन्हें यह एहसास भी दिलाया कि वे अपने श्रम और हुनर से आत्मनिर्भर बन सकती हैं। इस पहल से जुड़ी कई महिलाओं ने पहली बार घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर व्यापार किया था। जिस पर महिलाओं ने बताया कि पहले उन्हें यह विश्वास नहीं था कि वे खुद से कुछ बना और बेच सकती हैं लेकिन बिहान समूह से जुड़ने के बाद उन्हें प्रशिक्षण, सहयोग और मार्गदर्शन मिला, जिससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। यह न केवल उनकी आजीविका का एक माध्यम बना, बल्कि उनके सामाजिक सम्मान भी बढ़ा है।

छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर राष्ट्रीय पटल पर बनाई अपनी पहचान

राष्ट्रपति के हाथों राज्य सरकार की ओर से प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने किया सम्मान ग्रहण

■ राष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ को किया सम्मानित: आदि कर्मयोगी अभियान और पीएम जनमन योजना में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला राज्य घोषित

■ जनजातीय सशक्तिकरण के क्षेत्र में पांच जिलों को मिली राष्ट्रीय पहचान

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर राष्ट्रीय पटल पर अपनी सशक्त पहचान दर्ज कराई है। आदि कर्मयोगी अभियान और

प्रधानमंत्री जनमन योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए राज्य को आज भारत के राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य' के रूप में सम्मानित किया गया। यह सम्मान राजधानी दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया। राज्य सरकार और जनजातीय विकास विभाग की ओर से यह सम्मान प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने राष्ट्रपति के करकमलों से प्राप्त किया। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने इस मौके पर पीएम जनमन योजना और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत छत्तीसगढ़ में जनजातियों और विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों के संबंध में विस्तार से प्रस्तुती दी। वहीं मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी की कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने जिलों में जनजातियों के विकास में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री जुआल ओराम तथा राज्य मंत्री श्री दुर्गा दास उइके, जनजातीय कार्य मंत्रालय के सचिव विभु नायर भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर समस्त विभागीय अधिकारियों और फील्ड टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान राज्य के उन कर्मयोगियों के परिश्रम और समर्पण की पहचान है, जिन्होंने जनजातीय सशक्तिकरण को धरातल पर साकार किया है। कार्यक्रम में धमतरी और कोरिया जिलों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इसके साथ ही जनजाति विभाग के स्टेट ट्रेनर श्री ललित शुक्ला को भी व्यक्तिगत श्रेणी में पुरस्कार प्राप्त हुआ।

संपादकीय

डिजिटल धोखाधड़ी बनती जा रही है हमारे लिए एक गंभीर समस्या

तेजी से बदलते दौर में नई तकनीकों के उपयोग को वक्त की जरूरत के तौर पर देखा जा रहा है। इसी क्रम में आम जिंदगी में संवाद से लेकर पढ़ाई-लिखाई और लेन-देन जैसे तमाम मामले अगर डिजिटल तकनीक के दायरे में आ रहे हैं तो यह स्वाभाविक है। इसी के मद्देनजर 'डिजिटल इंडिया' का नारा भी दिया गया, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इंटरनेट आधारित तकनीकों के उपयोग के प्रति आकर्षित हों। विडंबना यह है कि जिस तेजी के साथ डिजिटल यंत्रों का उपयोग बढ़ा है, उसी अनुपात में इसमें सुरक्षित गतिविधियों का ढांचा विकसित नहीं हुआ है।इससे उपजने वाले जोखिम रोज नए और जटिल स्वरूप में सामने आ रहे हैं। अमूमन हर रोज देश के किसी हिस्से से डिजिटल धोखाधड़ी की खबरें आती हैं और उसमें किसी की मेहनत की कमाई के लाखों रुपए अलग-अलग तरीके से लूट या उड़ा लिए जाते हैं। ऐसे मामले आम हैं, जिनमें सिर्फ किसी को फोन पर की जाने वाली बातचीत में उलझा कर उसे धोखाधड़ी का शिकार बनाया गया। सवाल है कि अगर देश में आधुनिक तकनीकों का विस्तार किया जा रहा है तो क्या इससे बचाव के इंतजामों को भी उतना ही अहम माना जा रहा है।गौरतलब है कि बुधवार को भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने यह कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी हमारे लिए एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, इसलिए इस पर अंकुश लगाने के लिए ठोस प्रयास किए जाने की जरूरत है। हालांकि डिजिटल फर्जीवाड़े के मामलों में कोई अचानक उफान नहीं आया है, बल्कि पिछले कुछ वर्षों से लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे यह साफ है कि आधुनिक तकनीक जितनी सुविधाजनक है, उतना ही यह जोखिम का वाहक भी बन रही है। किसी के मोबाइल पर एक अनजान नंबर से फोन आता है और वह व्यक्ति बातों के जाल में इस कदर फंस जाता है कि अपने बैंक खाते से खुद ही लाखों रुपए भेज देता है।इसके कुछ ही पल बाद जब उसे अपने साथ हुई धोखाधड़ी के बारे में पता चलता है, तब तक देर हो चुकी होती है। पिछले कुछ समय से ऐसे मामले आम होते देखे गए हैं, जिसमें अनजान नंबर से आए फोन काल के जरिए किसी व्यक्ति को डरा-धमका कर 'डिजिटल कैद' की स्थिति में डाल दिया जाता है और फिर भयादोहन करके उसके बैंक खाते में जमा रकम को उड़ा लिया जाता है।अब ऐसी घटनाएं कोई नई नहीं रह गई हैं, लेकिन इसमें तेजी से होते इजाफे ने यह सवाल पैदा किया है कि जिन डिजिटल संसाधनों का विकास सुविधाजनक और सुरक्षित लेनदेन और अन्य गतिविधियों के लिए किया गया, आज उसी से उपजे खतरे से निपटने के तौर-तरीके आम क्यों नहीं हो पा रहे हैं।

डब्ल्यूपीएस इंडेक्स (महिला शांति और सुरक्षा सूचकांक) की 2023 की रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग साल 2023 में 128वें स्थान पर रही। डेनमार्क, स्विट्जरलैंड और स्वीडन शीर्ष पर रहे, जबकि अफगानिस्तान, यमन और मध्य अफ्रीकी गणराज्य सबसे निचले स्थान पर रहे।राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के वर्ष 2023 के महिला अपराधों के आंकड़े देश की तरक्की के आंकड़ों को मुंह चिढ़ा रहे हैं। देश एक तरफ जहां रक्षा, विज्ञान–तकनीकी, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में जहां लगातार आगे बढ़ रहा है वहीं महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के मामलों में शर्मसार हो रहा है।

तरक्की को मुंह चिढ़ा रहे हैं महिला अपराधों के आंकड़े

(योगेंद्र योगी)

एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में उससे पिछले दो सालों की तुलना में महिलाओं के खिलाफ अपराध के ज्यादा मामले सामने आए हैं। सबसे ज्यादा केस उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए। उसके बाद महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश हैं। रिपोर्ट के अनुसार 2023 में पूरे देश में ऐसे करीब 4.5 लाख मामले दर्ज किए गए।

वर्ष 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,48,211 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2022 में 4,45,256 और 2021 में 4,28,278 मामले थे। उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 66,381 मामले दर्ज किए गए, उसके बाद महाराष्ट्र में 47,101, राजस्थान में 45,450, पश्चिम बंगाल में 34,691 और मध्यप्रदेश में 32,342 मामले दर्ज किए गए। तेलंगाना प्रति लाख महिला जनसंख्या पर 124.9 अपराध दर के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि इसके बाद राजस्थान 114.8, ओडिशा 112.4, हरियाणा 110.3 और केरल में 86.1 अपराध दर दर्ज की गई।

भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498ए के तहत पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के मामले सबसे ज्यादा थे, जिनमें 133,676 मामले दर्ज किए गए और इनकी दर 19.7 रही। महिलाओं के अपहरण और बंधक बनाने के 88,605 मामले दर्ज किए गए और इनकी दर 13.1 रही। महिलाओं की गरिमा भंग करने के इरादे से हमला करने के 83,891 मामले आए जबकि बलात्कार के 29,670 मामले दर्ज किए गए। अठारह वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं से बलात्कार के 28,821 मामले आए और 18 वर्ष से कम आयु की लड़कियों से बलात्कार के 849 मामले आए। बलात्कार के प्रयास के 2,796 मामले दर्ज किए गए।

यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत बच्चों से बलात्कार के 40,046 मामले, यौन उत्पीड़न के 22,149 मामले, यौन प्रताड़ना के लिए 2,778 मामले, पोर्नोग्राफी के लिए बच्चों का इस्तेमाल करने के 698 मामले और कानून के अन्य प्रावधानों के तहत 513 मामले दर्ज किए गए। पुलिस के निपटारा आंकड़ों से पता चला कि पिछले वर्षों से 185,961 मामले जांच के लिए लंबित थे, जबकि 4,48,211 नए मामले दर्ज किए गए और 987 स्थानांतरित किए गए। इस तरह कुल 635,159 मामले थे। एसिड अटैक के 113 मामले दर्ज किए गए।

साल 2012 में दिल्ली में निर्भया के बलात्कार और हत्या के बाद जमीन पर ज्यादा कुछ बदला नहीं दिखता। कठोर कानून मौजूद हैं, पर वे कितने प्रभावी हैं? साल 2022 के लिए उपलब्ध आंकड़े दिखाते हैं कि 'महिलाओं के खिलाफ अपराध' के कुल 4,45,256 मामले दर्ज किये गये, जो साल 2021 से चार फीसदी ज्यादा थे। महिलाओं के खिलाफ अपराध का सबसे बड़ा हिस्सा 'पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता' (31.4 फीसदी) के तहत दर्ज हुआ, जबकि सभी अपराधों में 'शील हनन की नीयत से महिलाओं पर हमले' का हिस्सा 18.7 फीसदी था, और 'बलात्कार' 7.1 फीसदी पर रहा।

डब्ल्यूपीएस इंडेक्स (महिला शांति और सुरक्षा सूचकांक) की 2023 की रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग साल 2023 में 128वें स्थान पर रही। डेनमार्क, स्विट्जरलैंड और स्वीडन शीर्ष पर रहे, जबकि अफगानिस्तान, यमन और मध्य अफ्रीकी गणराज्य सबसे निचले स्थान पर रहे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2022 में महिलाओं को निशाना बनाकर की जाने वाली राजनीतिक हिंसा के मामले में भारत शीर्ष 10 सबसे खराब देशों में शामिल है। मेक्सिको 537 ऐसी घटनाओं के साथ इस सूची में शीर्ष पर है, उसके बाद ब्राज़ील (327) का स्थान है, जबकि भारत इस सूची में 125 घटनाओं (प्रति 100,000 महिलाओं पर) के साथ सातवें स्थान पर है, जहाँ विशेष रूप से राजनीतिक हिंसा के लिए महिलाओं को निशाना बनाया जाता है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-21) में पाया गया कि 18-49 वर्ष की आयु की 29.3 प्रतिशत महिलाओं ने अपने जीवनकाल में पति द्वारा हिंसा का अनुभव किया है। अगर अपराध दर्ज भी हो जाते हैं, तो न्याय धीमा हो सकता है; पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण अक्सर पीड़ितों को ही दोषी ठहराते हैं या उनकी गवाही को हतोत्साहित करते हैं। परिणामस्वरूप, कई मामले आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज ही नहीं होते। विशेषज्ञों का कहना है कि सांस्कृतिक शर्मिंदगी और प्रतिशोध का डर रिपोर्ट दर्ज कराने में बड़ी बाधाएँ हैं। भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराधों का कारण पितृसत्तात्मक सोच, सामाजिक रूढ़िवादिता, शिक्षा और जागरूकता की कमी, कानूनों का कम प्रभावी कार्यान्वयन और महिलाओं के प्रति समाज की घटती संवेदनशीलता जैसे सामाजिक-आर्थिक और संरचनात्मक कारक हैं। भारत की चुनौती वैश्विक रुझानों के समान और उनसे भी बदतर है। कई देशों की तरह, भारत भी कम रिपोर्टिंग और कलंक से जूझ रहा है। लेकिन गहरी जड़ें जमाए हुए लैंगिक पूर्वाग्रह और विशाल जनसंख्या घनत्व का मतलब है कि अघोषित अपराधों का एक छोटा सा प्रतिशत भी बहुत बड़ी संख्या में तब्दील हो जाता है। अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों की तुलना इस बात पर ज़ोर देती है कि समाधानों में हर देश की हिस्सेदारी है ङ्क अंतरराष्ट्रीय समझौतों को लागू करने से लेकर सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने तक। कानूनों और जागरूकता के मामले में भारत में हाल ही में हुए सुधार सकारात्मक हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत अभी भी कई समकक्षों से पीछे है।(इस लेख में लेखक

हम कैसे खुश रहें! दूसरों को कैसे खुश रखें?

चंद्र मोहन

खुशी कोई एक निश्चित घटना नहीं है, बल्कि जीवन भर चलने वाली एक प्रक्रिया है..जीवन के हर पड़ाव पर खुशी के अलग-अलग कारण हो सकते हैं। यह व्यक्ति की अपनी सोच और अनुभवों पर निर्भर करती है। इंसान तब सबसे ज्यादा खुश होता है जब वह अपने महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त करता है, अपने प्रियजनों के साथ समय बिताता है, और समाज में योगदान देता है। खुशी एक व्यक्तिपरक भावना है और यह खुशी की परिभाषा पर निर्भर करती है, यह एक सार्वभौमिक सत्य नहीं है कि किस उम्र या परिस्थिति में हर कोई खुश होता है। उदाहरण के लिए, कुछ लोगों को वित्तीय स्थिरता में खुशी मिलती है, जबकि कुछ दूसरों के लिए दूसरों की मदद करने में आनंद पाते हैं। लक्ष्यों की प्राप्ति : जब कोई व्यक्ति लंबे समय से मेहनत कर रहा होता है और अपने किसी उद्देश्य या लक्ष्य को प्राप्त कर लेता है, तो उसे बहुत खुशी मिलती है। सामाजिक जुड़ाव : परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताना, उनके साथ खुशी बांटना, और दूसरों के साथ अच्छे संबंध बनाना खुशी का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। अपनी कमजोरियों पर काबू पाना, नई चीजें सीखना, और जीवन के कठिन अनुभव से सीखकर आगे बढ़ना भी खुशी देता है। दूसरों की मदद करना, किसी अच्छे काम को पूरा करना, और अपने आसपास एक सकारात्मक माहौल बनाना व्यक्ति को संतुष्टि और खुशी देता है।

जीवन की संतुष्टि : अपने जीवन से संतुष्ट होना और जीवन के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण रखना खुशी का एक बड़ा कारक है।

आत्म-देखभाल और शांति : कुछ लोग अपने अकेलेपन का आनंद लेते हैं और शांत वातावरण में खुशी महसूस करते हैं. वे अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जैसे ध्यान और मेडिटेशन का अभ्यास। खुश रहने के लिए कोई निश्चित उम्र नहीं है; खुशी एक मानसिक स्थिति है जो हर व्यक्ति के सोचने के तरीके और जीवन के नजरिए पर निर्भर करती है. शोध के अनुसार, जीवन में खुशी का स्तर यू- आकार का होता है, जिसमें युवावस्था (लगभग 23 वर्ष) और बुढ़ापा (लगभग 69-70 वर्ष) में लोग अधिक खुश रहते हैं, जबकि मध्यम आयु (लगभग 40 से 50 वर्ष) में खुशी का स्तर घटता है। युवावस्था (लगभग 23 वर्ष): इस उम्र में लोग अक्सर अपने जीवन को स्थिर करना शुरू करते हैं, करियर पर ध्यान देते हैं और स्वतंत्र महसूस करते हैं, जिससे उन्हें खुशी मिलती है।

अधेड़ उम्र में गिरावट : 30 से 50 की उम्र तक खुशी का स्तर घटता है और लोग अधिक चिंतित रहते हैं।

बुढ़ापे में फिर से वृद्धि (लगभग 69-70 वर्ष) : इस उम्र में लोग जीवन के अनुभव से संतुष्ट हो जाते हैं, भविष्य की चिंता कम करते हैं और वर्तमान पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं।

खुश रहने का सार : मानसिकता और नजरिया

खुशी उम्र की मोहताज नहीं है। यह आपकी सोचने की क्षमता और सकारात्मक दृष्टिकोण पर निर्भर करती है. आप छोटी-छोटी बातों में भी खुशियाँ ढूंढ सकते हैं।

वर्तमान में जीना: वर्तमान क्षण को अपनाने और सराहना करने से हर उम्र में खुशी संभव है। अवास्तविक अपेक्षाओं को त्यागना और अपनी सभी खामियों के साथ खुद को स्वीकार करना एक अधिक संतुष्टिदायक जीवन की कुंजी है।

उन गतिविधियों में शामिल होना जिनसे आपको आनंद मिलता है, तनाव को कम कर सकता है और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। खुश रहने के लिए सकारात्मक सोचें, नियमित व्यायाम करें, संतुलित आहार लें, पर्याप्त नींद लें, और परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताएं। अपने पसंदीदा काम करें, ध्यान व योग करें, प्रकृति में समय बिताएं, और दूसरों की मदद करें। अपनी तुलना दूसरों से न करें और खुद को समय दें।

सकारात्मक सोच अपनाएं: अपने विचारों को सकारात्मक बनाने का प्रयास करें, क्योंकि सोच जीवन और भावनाओं को दिशा देती है.

दूसरों से तुलना न करें : दूसरों से अपनी तुलना करने से बचें, क्योंकि इससे आप दूसरों के मुकाबले खुद को कमतर महसूस कर सकते हैं. अपने लिए मी-टाइम निकालें और अपनी पसंदीदा गतिविधियों में समय बिताएं।

रचनात्मक और नई चीजें करें : नई और रचनात्मक गतिविधियों में शामिल होने से आनंद और संतुष्टि मिलती है। नियमित व्यायाम करें: शारीरिक स्वास्थ्य के लिए व्यायाम महत्वपूर्ण है, यहां तक कि 10 मिनट का व्यायाम भी फायदेमंद हो सकता है। संतुलित और स्वस्थ आहार लें: संतुलित आहार, जिसमें ताजे फल, सब्जियां, प्रोटीन और स्वस्थ वसा शामिल हों, शरीर और मन दोनों को ऊर्जावान रखता है।

तालिबान-पाकिस्तान में दोस्ती कराने चला था चीन, उल्टी पड़ गई जिनपिंग की चाल

(प्रियेश मिश्र)

पाकिस्तान और तालिबान के बीच सैन्य संघर्ष के बाद चीन का बयान आया है। चीन ने दोनों पक्षों के बीच शांति की अपील की है और अपने निवेश की सुरक्षा करने को कहा है। चीन ने यह भी कहा है कि वह पाकिस्तान-अफगानिस्तान संबंधों को बेहतर बनाने और विकसित करने में रचनात्मक भूमिका निभाना जारी रखने को तैयार है। चीन की अफगान तालिबान और पाकिस्तान में दोस्ती कराने की कोशिश नाकाम होती दिख रही है। रविवार को दोनों ही पक्षों में भीषण संघर्ष हुआ जिसमें कम से कम 58 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई। काबुल में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से यह दोनों पड़ोसियों के बीच सबसे गंभीर लड़ाई है। इसके बाद बौखलाए पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से लगी सीमा चौकियों को बंद कर दिया है। इससे अफगानिस्तान से होने वाला निर्यात ठप पड़ गया है। इस बीच चीन ने कहा है कि वह पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हालिया संघर्षों को लेकर बेहद परेशान है और दोनों देशों से शांति की अपील करता है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हालिया संघर्षों को लेकर चिंतित है। उसने दोनों देशों से क्षेत्र में अपने नागरिकों और निवेशों की सुरक्षा करने का आग्रह किया है। चीन अपने पश्चिमी क्षेत्र में अफगानिस्तान और अवैध रूप से पाकिस्तान के साथ सीमा साझा करता है और दोनों पक्षों के बीच शत्रुता को शांत करने में मध्यस्थता की भूमिका निभाने का प्रयास कर रहा है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने एक नियमित प्रेस वार्ता के दौरान कहा, चीन पाकिस्तान-अफगानिस्तान संबंधों को बेहतर बनाने और विकसित करने में रचनात्मक भूमिका निभाना जारी रखने को तैयार है। लिन ने कहा कि बीजिंग को उम्मीद है कि काबुल और इस्लामाबाद शांत और संयमित रहेंगे, और संघर्षों को बढ़ने से रोकने के लिए बातचीत और परामर्श के माध्यम से एक-दूसरे की चिंताओं का उचित समाधान करने में लगे रहेंगे।अगस्त में, चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने काबुल में पाकिस्तानी और अफगान अधिकारियों के साथ एक बैठक में भाग लिया, जिसमें उन्होंने सभी स्तरों पर आदान-प्रदान को मजबूत करने का आह्वान किया। कुछ हफ्ते पहले बीजिंग में आयोजित एक अनौपचारिक त्रिपक्षीय बैठक में चीन ने कहा था कि काबुल और इस्लामाबाद अपने राजनयिक संबंधों को उन्नत करने पर सहमत

अपमान का बदला लेने कांग्रेस छोड़ जनसंघ में आईं थीं विजयाराजे सिंधिया, ऐसा था सियासी सफर

(अनन्या मिश्रा)

ग्वालियर साम्राज्य की ही नहीं राजनीति की भी राजमाता मानी जाने वाली विजयाराजे सिंधिया का 12 अक्तूबर को जन्म हुआ था। विजयाराजे सिंधिया ने अपने सियासी सफर की शुरूआत कांग्रेस के साथ की थी। लेकिन एक अपमान का बदला लेने के लिए उन्होंने जनसंघ का दामन थाम लिया था।

ग्वालियर की राजमाता और भाजपा की दिग्गज नेता रहीं राजमाता विजयाराजे सिंधिया का 12 अक्तूबर को जन्म हुआ था। विजयाराजे सिंधिया का राजनीति में आना किसी फिल्मी ड्रामे से कम नहीं था। उनकी पर्सनल लाइफ में भी कम उथल-पुथल नहीं थी, तो वहीं राजमाता विजयाराजे सिंधिया का अपने इकलौते बेटे माधवराव सिंधिया से विवाद भी किसी से छिपा नहीं था। हालांकि विजयाराजे सिंधिया ने अपने सियासी सफर की शुरूआत कांग्रेस के साथ की थी। लेकिन एक अपमान का बदला लेने के लिए उन्होंने जनसंघ का दामन थाम लिया। राजमाता विजया राजे सिंधिया मध्य प्रदेश की गुना लोकसभा सीट से 6 बार सांसद रही थीं। तो आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर राजमाता विजयाराजे सिंधिया के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में।

जन्म और परिवार: मध्य प्रदेश के सागर में 12 अक्टूबर 1919 को राजमाता विजयाराजे सिंधिया का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम महेंद्र सिंह ठाकुर था, जोकि यूपी के जालौन जिले के डिप्टी कलेक्टर थे। उनकी मां का नाम विदेश्वरी देवी था। वहीं 21 फरवरी 1941 को ग्वालियर के महाराजा जीवाजीराव सिंधिया से विजयाराजे सिंधिया से हुई।

राजनीतिक सफर: पति के निधन के बाद राजमाता राजनीति में सक्रिय हुई और साल 1957 से 1991 तक 8 बार ग्वालियर के गुना से सांसद रही। कभी राजमाता विजयाराजे की देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की करीबी मानी जाती थीं। विजयाराजे ने साल 1957 से कांग्रेस से अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया था। फिर 10 साल तक कांग्रेस में रहने के बाद साल 1967 में उन्होंने पार्टी का दामन छोड़ दिया।

बेटे से रहा विवाद: राजमाता विजयाराजे सिंधिया अपने जीवनकाल में इकलौते बेटे कांग्रेस नेता रहे माधवराव सिंधिया से गहरा विवाद रहा था। उन्होंने अपनी वसीयत में लिखा था कि उनका अंतिम संस्कार उनके बेटे माधवराव सिंधिया नहीं करेंगे। राजमाता विजयाराजे सिंधिया का सार्वजनिक जीवन जितना आकर्षक था, पारिवारिक जीवन उतना ही ज्यादा मुश्किलों भरा रहा था। राजमाता पहले कांग्रेस में थीं, फिर बाद में इंदिरा गांधी की नीतियों के विरोध में उनकी ठन गई और बाद में पूरी जिंदगी राजमाता ने जनसंघ और भाजपा में रहकर गुजारी। बेटे माधवराव सिंधिया से कांग्रेस का दामन थामने के कारण नाराज थीं। विजयाराजे ने कहा था कि आपातकाल के दौरान उनके बेटे माधवराव सिंधिया के सामने पुलिस ने उनको अपमानित किया था। मां-बेटे में राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता रही। इसके कारण ग्वालियर के जयविलास पैलेस में रहने के लिए विजयाराजे ने अपने ही बेटे माधवराव से किराया भी मांग लिया था।

मृत्यु: वहीं 25 जनवरी 2001 राजमाता विजयाराजे सिंधिया का निधन हो गया था। (लेख में लेखक के अपने विचार हैं)

ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में सराहनीय कदम, बिहान और पशुधन विकास विभाग की संयुक्त पहल से बकरी पालकों को मिलेगा लाभ

अंबिकापुर। ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में राष्ट्रीय आजीविका मिशन (बिहान) एवं पशुधन विकास विभाग के संयुक्त प्रयास से अम्बिकापुर जिले के अंतर्गत ग्राम पंचायत सकालो में साप्ताहिक बकरी मंडी का शुभारंभ किया गया है। बकरी पालन से रोजगार के अवसर, आय में वृद्धि होती है और स्वास्थ्य लाभ मिलतरा है। यह आय का एक स्थायी स्रोत प्रदान करता है, क्योंकि बकरियों से दूध और मांस दोनों प्राप्त होते हैं। इसके अलावा, बकरी पालन पर्यावरण के अनुकूल है, क्योंकि बकरियां कम जगह लेती हैं और उनकी खाद मिट्टी को उपजाऊ बनाती है। सकालो बाजार के पास संचालित इस मंडी का संचालन मां लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह के द्वारा किया जा रहा है। इससे ग्रामीण पशुपालकों के लिए व्यापार के लिए नई मंडी मिलेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर बकरी पालन से जुड़ी महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम भी बनेगा। अब ग्रामीण महिलाएं अपनी बकरियां सीधे मंडी में बेच सकती हैं, जिससे उन्हें उचित मूल्य प्राप्त होगा और बिचौलियों पर निर्भरता समाप्त होगी।

महिलाओं को मिलेगा लाभ, बढ़ेगी आत्मनिर्भरता - सकालो की बकरी पालक मानमति मरावी ने बताया कि पहले व्यापारी बकरियाँ मनमाने दामों पर खरीद लेते थे, जिससे हमें सही लाभ नहीं मिल पाता था। अब मंडी खुलने से अपने ही पंचायत में बकरियों का अच्छा दाम मिल रहा है। इससे आमदनी बढ़ेगी और बकरी पालन में रुचि भी बढ़ी है। वहीं बकरी खरीदने आई कल्पना सिंह ने कहा कि अब हमें 15 किलोमीटर दूर बाजार नहीं जाना पड़ेगा। सकालो पंचायत में ही साप्ताहिक बकरी मंडी लगने से उचित दर पर बकरियां मिल जाती हैं। शासन और जिला प्रशासन की यह पहल ग्रामीण महिलाओं की आजीविका के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध हो रही है।

स्वयं सहायता समूहों के लिए नया अवसर

राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत संचालित बकरी मंडी से स्वयं सहायता समूह की दीदियों को रोजगार का नया अवसर मिलेगा। समूह की सदस्य महिलाएं न केवल मंडी के संचालन और व्यवस्था का कार्य देख रही हैं, बल्कि बकरी पालन से संबंधित अन्य गतिविधियों जैसे पशु आहार वितरण, स्वास्थ्य जांच, और खरीद-बिक्री के आँकड़ों के संकलन में भी सक्रिय भूमिका निभाएंगी।

स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई दिशा

सकालो में साप्ताहिक बकरी मंडी खुलने से स्थानीय स्तर पर पशुधन व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और अब ग्रामीणों को शहरों या दूरस्थ बाजारों तक जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। यह मंडी स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगी।

सही पोषण मिलना बच्चों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक

जशपुर। बच्चों के पोषण स्तर को बेहतर बनाने और उनमें पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पोषण की पाठशाला कार्यक्रम का जिला पंचायत सभागार जशपुर में शुभारंभ एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हायर और हायर सेकेंडरी विद्यालयों के नोडल अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जिला प्रशासन, आईआईटी बॉम्बे और एसएमडीटी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में जशपुर जिले से प्रारंभ किया गया है। इसका प्रमुख उद्देश्य बच्चों में एनीमिया, बौनापन और शरीर में वसा की कमी जैसी पोषण संबंधी समस्याओं का उन्मूलन करना तथा विद्यार्थियों में संतुलित आहार और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना है।

परिवार और समाज में भी पोषण का दूत बनने के लिए प्रेरित - बच्चों को सही पोषण मिलना उनके शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। आज के बच्चे ही कल के देश के भविष्य हैं। इस अभियान के माध्यम से हम न केवल बच्चों को जागरूक बनाएंगे, बल्कि उन्हें अपने परिवार और समाज में भी पोषण का दूत बनने के लिए प्रेरित करेंगे। आईआईटी बॉम्बे द्वारा तैयार किए गए विशेष पोषण वीडियो 01 नवंबर 2025 शनिवार से जिले के विद्यालयों में प्रदर्शित किए जाएंगे और उसके बाद विधार्थियों से चर्चा एंव सवाल-जवाब का 20 मिनट का सेशन आयोजित किया जाएगा। नियुक्त नोडल अधिकारियों के द्वारा 9,10,11,12 कक्षा में इस कार्यक्रम का संचालन किया जाएगा। इसमें 10 मिनट का एक वीडियो संचालन के साथ 20 मिनट की चर्चा भी शामिल होगी। नोडल अधिकारी कक्षा में दिखाए गए वीडियो पर बच्चों से 5-10 सवाल जवाब एंव चर्चा करेंगे।

सप्ताह के शनिवार को चयनित पोषण सबंधी 10 मिनट का वीडियो : स्कूल जाने वाले बच्चों के माध्यम से समुदाय में पोषण को बढ़ावा देना। किशोरी लड़कियों में एनीमिया को कम करना। उचित पोषण प्रथाओं के माध्यम से शैक्षिक और खेल संबंधी उपलब्धियाँ प्राप्त करना। जागतिक स्तर के ब्रिलियंट शारीरिक, मानसिक रूप से तंदरुस्त और बुद्धिमान बच्चे तैयार होने के लिए पोषण की पाठशाला का अयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत हर सप्ताह के शनिवार को चयनित पोषण सबंधी 10 मिनट का विडियो संचालन एंव 20 मिनट की चर्चा की जाएगी।

इसके साथ ही विशेषज्ञ मार्गदर्शन, पोषण सबंधी प्रोजेक्ट, पोषण प्रोजेक्ट प्रतियोगिता प्रस्तुति, शनिवार को पोष्टिक आहार दिन का आयोजन होगा। वीडियो में जंक फूड के नुकशान, प्रोटीन मैग्नीशियम कैल्शियम विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन बी 12 के का महत्त्व के बारे में जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर हायर और हायर सेंकेडरी स्कूलों के पोषण कार्यक्रम हेतु नियुक्त किए गए नोडल अधिकारी सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

एक लाख का इनामी नक्सली गिरफ्तार, भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

सुकमा। सुकमा पुलिस ने थाना कोन्टा क्षेत्र में एक लाख रुपये का इनामी नक्सली गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया है। गिरफ्तार नक्सली मुचाकी मंगा (24) कोन्टा एरिया कमेटी के सक्रिय सदस्य के रूप में कार्यरत था और उस पर कई बड़ी नक्सली घटनाओं में शामिल होने का आरोप है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिला पुलिस बल और 218 बटालियन सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने उसकावाया और नुलकातोंग के बीच जंगल में घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह फरवरी-मार्च 2025 में कोन्टा एरिया कमेटी के इंचार्ज वेट्टी मंगडू और अन्य नक्सली नेताओं के साथ मिलकर दो अलग-अलग स्थानों पर 5-5 किलोग्राम के आईईडी लगाने की योजना में शामिल था। आरोपी ने वर्ष 2024 में थाना भेज्जी क्षेत्र के एक ग्रामीण ओयामी पाण्डू की पुलिस मुखबीरी के संदेह में हत्या करने की घटना भी स्वीकार की। गरफ्तारी के बाद आरोपी की निशानदेही पर जंगल से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई, जिसमें 10 जिलेटीन रॉड, छह इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, एक किलोग्राम गन पाउडर और आईईडी निर्माण में उपयोग होने वाले उपकरण शामिल हैं। आरोपी को थाना कोन्टा और थाना भेज्जी के विभिन्न मामलों में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

दीवाली पर 'महिला उद्यमिता स्टॉल' में झलकी बिहान की चमक

मुंगेली। दीपावली के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) बिहान के अंतर्गत महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महिला उद्यमिता स्टॉल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन जिला पंचायत मुंगेली (छत्तीसगढ़) द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा अपने हाथों से तैयार किए गए उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया गया। स्टॉल में पारंपरिक हस्तनिर्मित वस्तुएं जैसे दीये, मिठाई, पूजा-पाठ की सामग्री, अगरबत्ती, धूप, कलश, ग्वालिन दीया-गुल्लक, झूमर मिरर, साड़ी, स्कार्फ, थैले आदि आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय ने स्टॉल का अवलोकन किया और समूह की महिलाओं की सराहना करते हुए आर्थिक रूप से आगे बढ़ने प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि दीपावली पर्व के मौके पर लगाई गई यह प्रदर्शनी न केवल उत्सव की रौनक बढ़ा रही है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता और उद्यमिता की मिसाल भी पेश कर रही है। बिहान योजना के तहत स्व-सहायता समूहों की महिलाएं अपने स्थानीय उत्पादों के माध्यम से लोकल को वोकल बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। इस स्टॉल के माध्यम से महिलाओं को अपने उत्पादों को बाजार से जोड़ने, ग्राहकों से संवाद स्थापित करने और व्यवसायिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है। स्थानीय नागरिक भी इन हस्तनिर्मित वस्तुओं को उत्साहपूर्वक खरीदकर महिलाओं के इस प्रयास को प्रोत्साहन दे रहे हैं।

क्वीक न्यूज

राज्यपाल ने दीपावली पर्व पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने दीपों के पंचपर्व, धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज के अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल डेका ने अपने संदेश में कहा कि दीपावली का पर्व हमारी समृद्ध और वैभवशाली भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। यह त्यौहार समाज में एकता, सदभाव और भाईचारे का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि दीपों की उवल ज्योति हमारे जीवन से अज्ञान और नकारात्मकता का अंधकार मिटाकर ज्ञान, आनंद और सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार करे। राज्यपाल ने सभी से आह्वान किया कि इस पर्व पर हम पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और सामाजिक समरसता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प लें। उन्होंने कामना की कि दीपों के पर्व का यह त्यौहार सभी नागरिकों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए।

भाईदूज 23 अक्टूबर को स्थानीय अवकाश घोषित

कांकेर। राज्य शासन द्वारा 21 अक्टूबर मंगलवार को गोवर्धन पूजा के अवसर पर सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने के फलस्वरूप जिला प्रशासन द्वारा उक्त दिवस के घोषित स्थानीय अवकाश को परिवर्तन करते हुए उसके स्थान पर अब 23 अक्टूबर गुरूवार को भाईदूज के अवसर पर स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। उक्त स्थानीय अवकाश बैंक, कोषालय, उप कोषालय पर लागू नहीं होगा।

कार्यालय सहायक पद हेतु दावा आपत्ति 31 अक्टूबर तक

कोण्डागांव। जिला स्तरीय महिला सशक्तिकरण केन्द्र (हब) हेतु सृजित कार्यालय सहायक 1 पद हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था। प्राप्त आवेदनों के स्क्रुटनी एवं परीक्षण पश्चात पात्र एवं अपात्र अभ्यर्थियों की सूची कोण्डागांव जिले के बेबसाईट https://kondagaon.gov.in/ पर अवलोकन हेतु अपलोड किया गया है। दावा आपत्ति हेतु अभ्यर्थी अपना आवेदन 31 अक्टूबर 2025 शाम 05:30 बजे तक लिखित में कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग कक्ष कमांक 118 कलेक्ट्रेट परिसर, कोण्डागांव जिला-कोण्डागांव में स्वंय उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ती प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्य माध्यम से प्राप्त अथवा समय-सीमा के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

आवास पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत हितग्राहियों को शीघ्र आवास बनाने के लिए किया गया प्रोत्साहित

दंतेवाड़ा। विगत दिवस कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार रजत जयंती कार्यक्रम के तहत जिला दंतेवाड़ा जनपद गीदम ग्राम पंचायत बींजाम में आवास पखवाड़ा कार्यक्रम कर प्रथम किश्त प्राप्त व द्वितीय किस्त प्राप्त हितग्राहियों को जल्द से जल्द आवास समय सीमा में पूर्ण करने हेतु प्रोत्साहित किया गया साथ ही स्व सहायता समूह की दीदियों को आवास पूर्णता के लिए सीएलएफ से लोन लेकर सेंट्रिंग प्लेट किराये पर देने व ईट निर्माण कार्य के लिए बढ़ावा दिया गया ताकि उनके द्वारा निर्मित सामग्रियों से हितग्राहियों के आवास शीघ्र बन सके। इस दौरान मनरेगा योजना के क्यूआर कोड एवं जन मनरेगा एप की भी जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में जनपद सदस्य पवन कर्मा ग्राम पंचायत सरपंच महादेव नेताम व एपीओ क्रांति ध्रुव उपस्थित थे।

किलकारी एवं मोबाइल एकेडमी कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दंतेवाड़ा। विगत दिवस मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय, दंतेवाड़ा में किलकारी एवं मोबाइल एकेडमी कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का संचालन पंकज बर्मन (प्रोग्राम ऑफिसर, बस्तर संभाग) द्वारा किया गया। कार्यशाला के दौरान आगामी एक वर्ष के लिए जिला एक्शन प्लान तैयार किया गया। इस अवसर पर आरसीएच नोडल अधिकारी, जिला डाटा मैनेजर, डीपीएचएनओ, बीईटीओ, ब्लॉक डेटा मैनेजर, ब्लॉक मितानिन समन्वयक तथा परिवार नियोजन परामर्शदाता सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यशाला में डॉ प्रियंका सक्सेना जिला नोडल अधिकारी एवं मैटरनल हेल्थ के द्वारा शिशु मृत्यु दर एवं मातृ मृत्यु दर में कमी लाने हेतु आवश्यक रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की तथा कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।

एसडीएम अजय उरांव ने शहर में साफ सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना के निर्देश पर एसडीएम अजय उरांव ने आज सुबह नगर की साफ सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने पूरे शहर के विभिन्न स्थानों में सफाई का जायजा लिया। नारंगी क्षेत्र में प्राप्त शिकायत पर नारंगी नदी का भी दौरा किया। वह मक्का प्लांट के अपशिष्ट नदी में फे के जा रहा था, जिसे तुरंत रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने शहर के विभिन्न वार्डों में स्थापित कचरा संग्रहण केंद्रों का भी निरीक्षण किया। कचरा संग्रहण और सेग्रीगेशन की पूरी व्यवस्था की समीक्षा की और सभी वार्डों से शतप्रतिशत कचरा उठाने एवं उचित सेग्रीगेशन करने के निर्देश दिए।

रायपुर में औद्योगिक दुर्घटनाओं के बाद श्रम विभाग ने त्वरित कार्यवाही की

रायपुर। हाल ही में रायपुर में घटित औद्योगिक दुर्घटनाओं के बाद औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, श्रम विभाग ने त्वरित और सख्त कार्रवाई की है। 8 अक्टूबर को मेसर्स छत्तीसगढ़ फेरो ट्रेडस प्रा. लिमि., गोंदवारा में क्रेन ऑपरेटर फर्नेस में ब्लास्ट के कारण पिघले लोहे की छींटों से गंभीर रूप से घायल हो गए और 10 अक्टूबर को उनकी मृत्यु हो गई। इसके बाद विभाग ने कारखाने के फर्नेस और ई.ओ.टी. क्रेन को बंद करने का आदेश जारी किया। इसी प्रकार 12 अक्टूबर को लक्ष्मी नारायण रियल इस्पात प्रा. लिमि., बोरझरा में असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन ई.ओ.टी. क्रेन पर मेंटेनेंस कार्य के दौरान लगभग 30 फीट की ऊँचाई से गिर गए और 13 अक्टूबर को उनकी मृत्यु हो गई। विभाग ने तत्काल कारखाने के स्ट्रीप मिल के ई.ओ.टी. क्रेन के मेंटेनेंस कार्य को बंद करवा दिया। औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग ने दोनों कारखानों को निर्देशित किया है कि वे सुरक्षित कार्यपद्धति (एसओपी) तैयार करें, श्रमिकों को उचित प्रशिक्षण और सुपरविजन प्रदान करें और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण सुनिश्चित करने कहा गया है। विभाग लगातार कारखानों में हो रही दुर्घटनाओं पर कड़ी नजर रखे हुए हैं।

मुख्य सचिव द्वारा 7 जिलों में चिन्हांकित व्यक्तिगत हितग्राही मूलक सर्वे के संबंध में ली गई वर्चुअल बैठक

दंतेवाड़ा। गृह मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में 7 जिलों में राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएइआर) द्वारा संपादित सर्वे के दौरान प्राप्त तथ्यों पर प्रदेश के मुख्य सचिव विकास शील द्वारा वर्चुअल बैठक ली गई। इन 7 जिलों में बस्तर संभाग के बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर, तथा मोहला- मानपुर-अंबागढ़ चौकी शामिल रहे। बैठक के दौरान राज्य और केंद्र शासन की व्यक्तिगत आधारित योजना तथा सामुदायिक योजनाओं के क्रियान्वयन, प्रगति पर विस्तृत दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि केंद्र और राज्य शासन की मंशानुसार (एनसीएइआर) द्वारा संपादित सर्वे के दौरान प्राप्त तथ्यों को प्रमुखता में रखते हुए सभी जिले शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सामाजिक सुरक्षा, कृषि ऊर्जा, कौशल विकास, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, राजस्व तथा अन्य मूलभूत सेवाओं का संबंधित हितग्राहियों का शत प्रतिशत संतृप्ति करना सुनिश्चित करें और इसके सुचारू क्रियान्वयन हेतु प्रभावी रणनीति बनाये। बैठक के दौरान उपरोक्त सभी जिलों के सर्वे सूचकांक आंकड़े भी प्रस्तुत किए गए। जिसके संबंध में मुख्य सचिव ने आगामी बैठक में पुनः समीक्षा करने की आवश्यकता जताई। वर्चुअल बैठक में अन्य जिलों के कलेक्टरों के साथ-साथ जिले के कलेक्टर कुणाल दुदावत ने भी दंतेवाड़ा जिले से संबंधित सर्वे सूचकांकों के संबंध में जानकारी दी।

मां धूमावती अलक्ष्मी गमन नरक चतुर्दशी अनुष्ठान महायज्ञ 19 को

रायपुर। पुरानी बस्ती श्री शीतला माता मंदिर मां धूमावती सिद्धपीठ में रविवार 19 अक्टूबर को नरक चतुर्दशी के शुभ अवसर पर रात्रि 7 बजे आध्यात्मिक धर्म गुरू पीठाधिश्वर महाराज नीरज सैनी पुजारी द्वारा मां धूमावती अलक्ष्मी गमन हवन-पूजन, विशिष्ट अनुष्ठान महायज्ञ किया जाएगा। समस्त ब्रम्हाण्ड की अधिकारिणी मां धूमावती नरक चतुर्दशी के दिन पृथ्वी से गमन करती है। इस शुभ अवसर पर आस्थावान धर्म प्रेमी एवं भक्तगण कालसर्प दोष, मांगलिक दोष, नवगृह कुप्रभाव, सर्वबाधा, शत्रुबाधा, गंभीर संकट, अभाग्य-दुर्भाग्य, कलह, दरिद्रता, अलक्ष्मी असाध्य रोग जैसे समस्त समस्याओं के निवारण, मनवांछित फल एवं मनोकामना पूर्ति निमित्त मां धूमावती को अष्टगंध, श्वेत पुष्प, धूप, दीप, श्वेत नैवेध अर्पित कर, कपूर की आरती करें और काले तिल को काले कपड़े में बांधकर सूप में रखकर मां धूमावती की प्रार्थना कर भेंट करें, साथ ही हवन-पूजन, विशिष्ट अनुष्ठान, महायज्ञ में सम्मिलित होकर सौभाग्य प्राप्त करें। दरिद्रता निवारण, आत्मकल्याण निमित्त सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

88 हजार से अधिक श्रमिकों के खातें में 26 करोड़ 90 लाख से अधिक रूपए अंतरित

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत श्रमिकों को दीवाली से पूर्व 26 करोड़ 90 लाख 1 हजार 202 रूपए सहायता राशि उनके बैंक खातों में डीबीटी के जरिए अंतरित कर दी गई है। श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में मंडल के अध्यक्ष डॉ रामप्रताप सिंह द्वारा डीबीटी के माध्यम से श्रमिकों के खातें में अंतरित की गई। श्रम विभाग के सचिव सह श्रमायुक्त हिमशिखर गुप्ता ने बताया कि श्रम कल्याण मंडल द्वारा संचालित 18 योजनाओं के अंतर्गत 88,568 हितग्राहियों को 26 करोड़ 90 लाख 1 हजार 202 रूपए की राशि प्रदान की गई है। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के संचिव गिरीश रामटेके ने बताया कि डीबीटी के माध्यम से अंतरित किए गए।

मनरेगा से साकार हुआ सपनों का आंगनबाड़ी केंद्र

बच्चों के लिए बना सुरक्षित और शिक्षाप्रद वातावरण, ग्रामीणों को मिला रोजगार

उदयपुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अब केवल रोजगार का साधन ही नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास का मजबूत आधार बन गई है। इसी कड़ी में सरगुजा जिले के जनपद पंचायत उदयपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत पंडरीपानी में नया आंगनबाड़ी केंद्र भवन बनकर तैयार हुआ है। इस भवन के निर्माण से न केवल नौनिहालों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण मिला है, बल्कि ग्रामवासियों को भी रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं।

आंगनबाड़ी भवन बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र - आंगनबाड़ी केंद्र पूर्व में एक छोटे किराए के भवन में संचालित होता था, जहां सीमित स्थान के कारण बच्चों को पढ़ाई और खेल-कूद में कठिनाई होती थी। अब 11.69 लाख रुपये की लागत से निर्मित यह नया आंगनबाड़ी भवन बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। निर्माण कार्य के दौरान 494 मानव दिवस का रोजगार सृजित हुआ, जिससे ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है।

बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण स्तर में हुआ सुधार - नव निर्मित आंगनबाड़ी भवन में हॉल, कार्यालय, रसोईघर और शौचालय जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। भवन की दीवारों पर अक्षर ज्ञान, शिक्षाप्रद चित्र और मनमोहक कार्टून उकेरे गए हैं, जिससे बच्चे खेल-खेल में सीख रहे हैं। सहायिका ने बताया कि वर्तमान में केंद्र में 22 बच्चे पंजीकृत हैं और अब बच्चों की उपस्थिति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आंगनबाड़ी में नियमित रूप से पोषण आहार उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण स्तर में सुधार हुआ है। साथ ही किशोरी बालिकाओं को स्वच्छता और पोषण संबंधी जानकारी दी जा रही है तथा गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को पूरक पोषण आहार प्रदान किया जा रहा है।

रोजगार सृजन के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था हो रहा सशक्त : जिला प्रशासन द्वारा मनरेगा के तहत जिले में कुल 393 आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण की स्वीकृति दी गई है। इनका निर्माण कार्य तेज़ी से जारी है। यह पहल न केवल ग्रामीण महिलाओं और बच्चों के पोषण व शिक्षा स्तर को ऊंचा उठा रही है, बल्कि रोजगार सृजन के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बना रही है।

दुनिया की इस सबसे छोटी रिवॉल्वर के आगे माचिस की डिब्बी भी बड़ी लगेगी

दुनिया में एक से बढ़कर एक बड़े और घातक हथियार मौजूद हैं. हालांकि, इन विस्फ़ोट हथियारों को दुश्मन की नज़रों से छिपाना आसान नहीं, इसलिए उसे सावधान होने का मौक़ा मिल जाता है. मगर सोचिए, तब क्या हो, जब कोई शख़्स किसी घातक हथियार को अपनी हथेली में छिपाकर घूम रहा हो और आप उसका एकाएक शिकार बन जाएं. जी हां, दुनिया की सबसे छोटी रिवॉल्वर के साथ ये संभव है.

हम बात कर रहे हैं स्विस मिनी गन की. 5.5 सेंटीमीटर लंबी और 1 सेंटीमीटर चौड़ी इस रिवॉल्वर का वज़न महज़ 19.8 ग्राम है. इस बंदूक का नाम सबसे छोटी रिवॉल्वर के तौर पर गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है. आप ये मत सोचिएगा कि इतनी छोटी गन है, तो इसे चलाया नहीं जा सकता होगा. बता दें, ये गन दूसरी आम गनों की तरह चलती भी है और जान भी ले सकती है. बंदूक के निर्माताओं ने कहा, 'इस बंदूक के लिए किसी की जान लेना थोड़ा कठिन है, क्योंकि बंदूक की शक्ति 1 जूल से कम है. हालांकि, अगर किसी के खोपड़ी के सबसे कमज़ोर हिस्से पर नज़दीक से मारा जाए, तो ये जानलेवा साबित होगी.'

बता दें, रिवॉल्वर का ष्ट1स्ञ स्टेनलेस स्टील मॉडल उसी तकनीक से बनाया गया है, जिसका उपयोग स्विस घड़ी बनाने और आभूषणों में किया जाता है. ये एक स्टाइलिश लेदर होल्डर के साथ आता है. बंदूक में 24 लाइव और 24 ब्लैंक कार्टेज भी दिए जाते हैं. बंदूक को की-रिंग के सहारे बेल्ट से भी लटकाया जा सकता है. इस रिवॉल्वर को छिपाना इतना आसान है कि अमेरिका और ब्रिटेन ने इसके इंपोर्ट पर बैन लगा रखा है. जितनी ख़तरनाक और दिलचस्प ये बंदूक है, उतनी ही चौंकाने वाली इसकी क़ीमत भी. इस रिवॉल्व का दाम 5 लाख रुपये से ज़्यादा है. साथ ही, बंदूक का एक गोल्ड वर्ज़न भी उपलब्ध है. हालांकि, इन्हें खास ऑर्डर करने पर ही बनाया जाता है.

दुनिया के ये देश, यहां बसने पर पैसे मिलते हैं

दुनिया के अन्य देशों की सुंदरता और सुविधाएं देखकर कई बार वहां बसने का मन कर जाता है, लेकिन ऐसा करने से जेब रोकती है. क्योंकि अपने देश के अलावा कहीं और बसने में पैसे तो खूब खर्च होते हैं. मगर क्या आप जानते हैं? कुछ देश ऐसे हैं, जो अपने यहां बसने के लिए पैसे लेते नहीं, बल्कि देते हैं. सुनकर हैरानी हो रही होगी, लेकिन ये सच है. यहां की सरकारें अपने देश के विकास के लिए लोगों को यहां बुलाती हैं और पैसे देने के साथ-साथ कई तरह की सुविधाएं भी देती हैं. आइए जानते हैं ये कौन-कौन से देश हैं जो अपने यहां बसने के लिए लोगों को पैसे देते हैं. कम से कम लोगों को वहां बसने के लिए 3000 डॉलर भारतीय रुपये में 2,22,096 रुपये से 10,000 डॉलर भारतीय रुपये में 7,40,323 रुपये तक मिलता है.

वर्मोन्ट

अगर अमेरिका में बसने के सपने देखते हैं, तो वर्मोन्ट आपके लिए बेस्ट रहेगा. क्योंकि यहां की सरकार खुद चाहती है कि लोग यहां पर आकर बसें ताकि यहां पर जो कर्मचारियों की कमी है उसको पूरा किया जा सके. यहां पर जो लोग दूसरे देशों से आकर बसते हैं और जो यहां के स्थानीय निवासी हैं सभी के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं एक समान हैं. यहां जाना है तो वर्किंग वीज़ा लेकर जा सकते हैं.

अलास्का

अमेरिका का अलास्का शहर भी रहने के लिए अच्छा विकल्प है. अमेरिकी सरकार चाहती है कि यहां ज़्यादा से ज़्यादा लोग आकर रहें और देश का विकास हो. यहां पर बसने वालों को सरकार की तरफ़ से 2000 डॉलर (भारतीय रुपये में 1,48,061) दिए जाते हैं. यहां पर घर भी काफ़ी सस्ता मिलता है.

वियतनाम

एशिया में स्थित वियतनाम देश अपने व्यापार को बढ़ाना चाहता है ताकि उसकी अर्थवयवस्था बेहतर हो सके. इससे देश का विकास भी अच्छे से होगा. लोगों के यहां आकर बसने से वियतनाम की अर्थव्यवस्था में काफ़ी वृद्धि हुई है. यहां पर रहना अन्य देशों की तुलना में सस्ता है. साथ ही नौकरी और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं भी आसानी से मिल जाती हैं.

दक्षिण कोरिया

एशिया के इस खूबसूरत देश में बसने के लिए अच्छी अंग्रेज़ी जानना ज़रूरी है. अगर आपको इंग्लिश बोलना आता है तो नौकरी आसानी से मिल जाती है. यहां अच्छी शिक्षा के साथ ही रहने का माहौल और वातावरण दोनों ही बहुत अच्छा है. अगर आप जाना चाहें तो यहां वर्किंग वीज़ा पर जा सकते हैं.

थाईलैंड

एशिया में स्थित थाईलैंड देश अपने व्यापार और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए लोगों को बसने का मौक़ा दे रहा है. इस देश की ओर से अमेरिका और कनाडा के लोगों को यहां रहने के लिए बुलाया गया है. थाईलैंड दुनिया के अन्य देशों की तुलना में काफ़ी सस्ता देश है. इसके अलावा यहां पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं भी सस्ते दामों पर मिल जाती हैं.

न्यूयॉर्क का रहस्यमयी झरना एटर्नल फ्लेम फॉल पानी के बीच जलती है आग की लौ

इंसान प्रकृति के आगे आज भी बौना है. कुदरत के रहस्यों से इंसान आज भी पूरी तरह वाकिफ नहीं हो पाया है. हमारी धरती आज भी कई अनसुलझे सवालों से घिरी है. एक ऐसा ही रहस्यमयी सवाल अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में भी है. यहां एक अनोखा झरना है, जिसके पानी के बीच में आग की लौ जलती नज़र आती है.

न्यूयॉर्क के चेस्टनट रिज पार्क में मौजूद इस रहस्यमयी झरने का नाम 'एटर्नल फ़्लेम फ़ॉल' है. ये झरना कभी सूखता नहीं. पूरे साल इसमें पानी बहता रहता है. साथ ही, पानी के बीच एक आग की लौ लगातार जलती दिखाई देती है. लोग इस आग को लेकर तरह-तरह की कहानियां बनाते हैं. मगर वैज्ञानिक इस रहस्य को आज तक सुलझा नहीं पाए. लोगों का जहां मानना है कि झरने के बीच आग नज़र आने के पीछे दैवीय कारण हैं. वो इसे धरती के विनाश से भी जोड़कर देखते हैं. लोगों का मानना है कि ये आग महाप्रलय के दिन ही बुझेगी. जब तक ये लौ जलती रहेगी, तब तक हमारी पृथ्वी भी सुरक्षित है.

हालांकि, कुछ वैज्ञानिकों ने इस आग के पीछे मीथेन गैस को वजह बताया है. वैज्ञानिकों का कहना है कि झरने के नीचे गुफा में मीथेन गैस निकलती है. ऐसे में शायद किसी ने वहां कभी आग लगा दी हो, और तब से ये लौ जलने लगी. गुफ़ा के नीचे से आ रही मीथेन की वजह से ये बुझती नहीं है. इस थ्योरी को भी ज़्यादातर वैज्ञानिक नहीं मानते. इंडियाना विश्वविद्यालय के शोधकर्ता इस गैस के स्रोत के बारे में अनिश्चित हैं. दरअसल, शोधकर्ताओं का मानना है कि आग लगाने के लिए जो नैचुरल गैस निकलती है, वो बेहद प्राचीन और गर्म चट्टानों से निकलती है. वहीं, न्यूयॉर्क की ये चट्टान इतनी गर्म नही है कि वो इस तरह का रिएक्शन दे सके. उनके मुताबिक, चट्टान में बस एक चाय की प्याले जितनी ही गर्मी है. इसके साथ ही, ये चट्टाने इतनी पुरानी भी नही हैं. दुनियाभर में चट्टानों में जो आग निकलती है, उनके लिये ये दोनों कारक ज़रूरी हैं. इस चट्टान में दोनों ही नहीं पाए जाते. ऐसे में वैज्ञानिक आज भी नहीं समझ पाएं कि इस चट्टान में लगातार जलती इस आग के पीछे की असली वजह क्या है.

अमेरिका के इस रहस्यमयी झरने के छोटे से छेद में समा जाती है पूरी नदी

कुदरत की बनाई ये दुनिया बहुत ही अजीबो-ग़रीब चीज़ों और रहस्यों से भरी पड़ी है. इन रहस्यों से पर्दा उठाने के लिए हमारे वैज्ञानिक और विशेषज्ञ हमेशा लगे रहते हैं. कुछ से पर्दा उठ गया है तो कुछ रहस्य अभी भी अनसुलझे ज्यों के त्यों पड़े हैं. इन्हीं में से एक है The Devil's Kettle. ये अमेरिका में स्थित एक झरना है, जिसके पास एक कड़ाहीनुमा छेद है, जिसमें पूरी नदी का पानी समा जाता है. ये आश्चर्यचकित करने वाली बात है कि छोटे से छेद में कैसे पूरी नदी का पानी समा जाता है और ये पानी कहां जाता है?

रहस्यों से भरा ये खूबसूरत झरना 'सुपीरियर लेक' के उत्तरी किनारे पर मिनेसोटा में Judge C.R. Magney State Park में है. इस अद्भुत झरने को लेकर लोगों में जिज्ञासाएं बनी रहती हैं. इस झरने का स्तोत्र ब्रूल नदी का पानी है, जो घुमावदार, संकरीले चट्टानी रास्तों से नीचे की ओर गिरता है और झरने की तरह गिरता हुआ ये पानी एक छोटे से छेद में समा जाता है. इस झरने के नाम का मतलब 'शैतान की कड़ाही' होता है. हालांकि, वैज्ञानिकों ने कई बार इस बात का पता लगाने की कोशिश की है कि आख़िर ये पानी कहां जाता है? लेकिन इसके रहस्य से पर्दा उठाने में विफल रहे हैं. इन्होंने पानी का रास्ता पता लगाने के लिए वॉटरफ़ॉल में पिंग-पॉन्ग बॉल, कलर डाई आदि डाला, ताकि ये रहस्य खुल सके, लेकिन इससे भी कुछ हासिल नहीं हुआ. आपको बता दें, झरने का गैलनों लीटर पानी इस कुंड से कहां गायब हो जाता है? इसका पता लगाने के कई प्रयास किए गए, लेकिन ये अभी तक अनसुलझा रहस्य है.

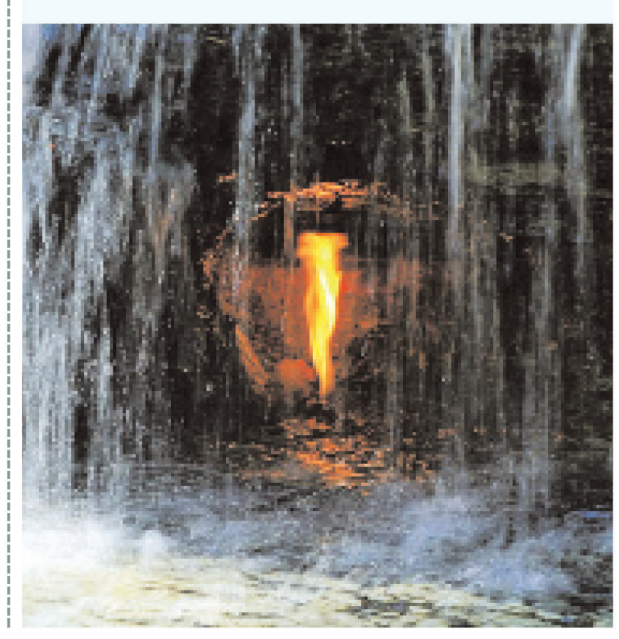

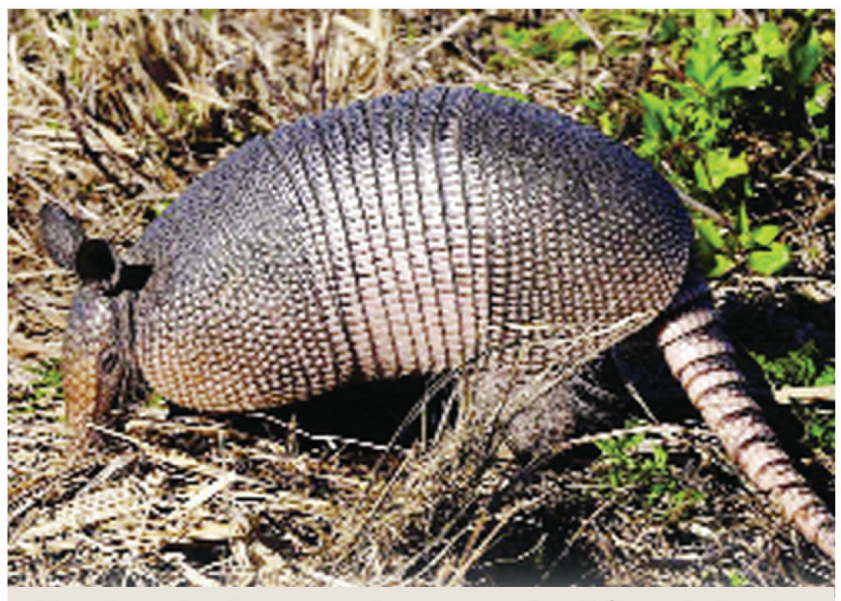

दुनिया का वो एकमात्र बुलेट प्रूफ जानवर आर्माडिलो

दुनिया के हर देश में तरह तरह के जानवर पाये जाते हैं. इनमें से कई जानवर तो ऐसे हैं जिन्हें हमने देखा भी नहीं है. जबकि कुछ जानवर ऐसे भी हैं जिन्हें हमने टीवी पर देखा होगा, लेकिन हमें उनके नाम मालूम नहीं होते. इसी तरह का एक विचित्र जानवर अमेरिका में भी पाया जाता है. इसके बारे में कम ही बातें होती हैं, लेकिन ये कमाल का जानवर है. अमेरिकी महाद्वीप में पाये जाने वाले इस स्तनधारी जीव का नाम आर्माडिलो है. ये दिखने में बेहद छोटा सा लगता है, लेकिन चालाकी के मामले में बड़े से बड़े जानवर को मात देने के लिए मशहूर है.

इस छोटे से स्तनधारी जीव की सबसे ख़ास बात ये है कि ये मुसीबत आने पर खुद को आसानी से बचा लेता है. किसी भी बड़े हमले के दौरान ये अपने शरीर को समेट कर फ़ुटबाल के आकार में ढाल लेता है. आर्माडिलो की बाहरी त्वचा बुलेट प्रूफ़ जैकेट जितनी मज़बूत होती है. ये आसपास ख़तरे का अनुभव होने पर स्वयं को बॉल की तरह गोल कर लेता है और इससे ये अपनी रक्षा करता है. जब तक हमला टल नहीं जाता तब तक ये खुद को फ़ुटबाल के आकार में ढाले रखता है. इस दौरान इसे पहचान पाना भी मुश्किल हो जाता है. इसकी त्वचा इतनी सख़्त होती है कि इसपर बुलेट का असर भी नहीं होता है. इसीलिए इसे 'बुलेट प्रूफ' जानवर भी कहा जाता है. इसे भी कहा जाता है.

साउथ अमेरिका में पाया जाने वाला ये विचित्र प्राणी आकार में चूहे से थोड़ा सा ही बड़ा होता है. इसकी लंबाई 38 से 58 सेंटीमीटर, जबकि ऊंचाई 15 से 25 सेंटीमीटर के बीच होती है. इसका वजन 2.5 से 6.5 किलो के बीच होता है. आर्माडिलो औसतन 12 से 15 वर्ष तक जीते हैं. आर्माडिलो भूरे, पीले और गुलाबी रंग के होते हैं.

इस जानवर की कुल 20 प्रजातियां पाई जाती हैं और ये सभी लेटिन अमेरिका में पाई जाती हैं. ये जमीन में गड्ढे के अंदर या सुरंग में या गर्म जगहों पर रहते हैं. ठंड का मौसम इन्हें ज़रा भी बर्दास्त नहीं होता, यहां तक कि इनकी मौत तक हो जाती है. ये छोटा सा दिनभर सोता है और रात में शिकार करता है. इनकी दुश्मनी सिर्फ़ कुत्ते-बिल्लियों से ही होती है. इसके अलावा कछुआ और मगरमच्छ भी दो ऐसे जानवर हैं जो अपनी सख़्त त्वचा के लिए जाने जाते हैं. लेकिन मगरमच्छ के मुक़ाबले कछुआ किसी भी बड़े हमले से खुद को आसानी से बचा लेता है. इस दौरान वो ख़तरे का अनुभव होते ही अपने सिर को छुपा लेता है.

कफ बढ़ने से होते हैं 28 रोग इन चीजों से बचें

वात और पित्त के साथ शरीर में कफ का संतुलन सही होना जरूरी है। कफ के बढ़ने पर 28 प्रकार के रोग आपको घेर सकते हैं। लेकिन इनसे बचने के लिए आपको ऐसी चीजों से बचना होगा, जो कफ पैदा करती हैं या कफ को बढ़ा सकती हैं। आइए जानते हैं कौन सी चीजें कफ में न खाएं और किन चीजों का सेवन करें -

वसायुक्त चीजें

वसायुक्त चीजों का सेवन कफ बढ़ाने का काम करती हैं इसलिए जितना हो सके इनसे बचने की कोशिश करें।

दूध

दूध कफ को बढ़ाता है। अगर आपकी कफ प्रकृति है तो आपको दूध का सेवन कम करना चाहिए या फिर हल्दी के साथ इसका सेवन करें।

मांस

कफ बढ़ने पर मांस का सेवन आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है, इसलिए कफ होने पर मांस का सेवन करने से बचें और अगर कफ की तासीर हो तो मांस का सेवन कम से कम करें।

मक्खन

मक्खन में वसा अधिक होता है, इसलिए यह कफ बढ़ाने का काम करता है। कफ की समस्या में मक्खन या मक्खन युक्त चीजों का सेवन न करें।

पनीर

पनीर से कफ तो बनता ही है, कई लोगों को पाचन संबंधी समस्या भी हो सकती है क्योंकि कुछ लोगों को पनीर आसानी से नहीं पचता। इसलिए अतिसेवन न करें।

क्या खाएं

- सुबह या दिन के भोजन के बाद गुड़ का सेवन फायदेमंद हो सकता है। गुड़ की तासीर गर्म होती है, यह कफ को कम करने के साथ ही पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है।
- तुलसी, सौंठ, अदरक और शहद जैसी चीजों का सेवन कफ को कम करने में बहुत फायदेमंद होता है, तो इन्हें किसी भी तरह से डाइट में शामिल करें।

दिमाग को स्वस्थ और मजबूत बनाना बहुत जरूरी

दिमाग बढ़ाने वाली सब्जियों से भरपूर डाइट लेने के अलावा शारीरिक रूप से सक्रिय रहना, तनाव कम लेना, हाइड्रेटेड रहना और पर्याप्त नींद लेकर भी दिमाग के कामकाज में सुधार किया जा सकता है और सोचने-समझने की क्षमता को बढ़ाया जा सकता है।

दिमाग शरीर का एक मुख्य अंग है जिसका काम सोचना-समझना, याद रखना, नया सीखना आदि है। अन्य अंगों की तरह दिमाग को भी बेहतर ढंग से कार्य करने के लिए कुछ पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। अगर आपको सोचने-समझने की क्षमता कम है, आपकी याददाश्त कमजोर है, या आप हमेशा विचलित रहते हैं, तो इसके सीधा सा मतलब है कि आपके दिमाग में कुछ लोचा है, जिसे ठीक करना जरूरी है। याद रहे कि तेजी से दौड़ती दुनिया में दिमाग को स्वस्थ और मजबूत बनाना बहुत जरूरी है। इत्तेफाक से रोजाना खाई जाने वाली कुछ सब्जियों में ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो दिमाग को तेज करते हैं और याददाश्त को भी बढ़ाते हैं।

पत्तेदार सब्जियां

हार्वर्ड हेल्थ के अनुसार पालक, केल और स्विस चार्ड जैसी पत्तेदार सब्जियां विटामिन और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होती हैं, जिनमें विटामिन के, विटामिन बी 6 और फोलेट शामिल हैं। ये पोषक तत्व मस्तिष्क के स्वास्थ्य और सोचने-समझने के लिए जरूरी हैं। इनमें ल्यूटिन और ज़ेक्सैंथिन, एंटीऑक्सिडेंट भी होते हैं जो मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन से बचाते हैं।

ब्रोकोली

ब्रोकोली एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर है जो मस्तिष्क को बेहतर बनाती है। यह कोलीन का एक अच्छा स्रोत है, एक पोषक तत्व जो मेमोरी बढ़ाने और सीखने की क्षमता में सुधार करता है। इसके अतिरिक्त, ब्रोकोली में सल्फोराफेन नामक एक यौगिक होता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो मस्तिष्क को क्षति से बचा सकते हैं।

चुकंदर

चुकंदर नाइट्रेट से भरपूर होते हैं, जो मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को बढ़ाने और संज्ञानात्मक कार्य में सुधार करने में मदद कर सकते हैं। इनमें एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी यौगिक भी होते हैं जो दिमाग को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन से बचा सकते हैं।

गाजर

गाजर बीटा-कैरोटीन का एक अच्छा स्रोत है, एक एंटीऑक्सीडेंट जो शरीर में विटामिन ए में बदल जाता जाता है। विटामिन ए मस्तिष्क के कार्य से निकटता से जुड़ा हुआ है। गाजर में अन्य एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं जो ब्रेन को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचा सकते हैं।

बेल मिर्च

बेल मिर्च विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है, एक एंटीऑक्सीडेंट जो मस्तिष्क स्वास्थ्य और संज्ञानात्मक कार्य का समर्थन करता है। इनमें विटामिन बी6 और फोलेट जैसे अन्य पोषक तत्व भी होते हैं, जो मस्तिष्क के कार्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

कद्दू

कद्दू बीटा-कैरोटीन और अन्य एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन से बचा सकता है। यह मैग्नीशियम का भी एक अच्छा स्रोत है, एक मिनरल है, जो दिमाग के कामकाज को बढ़ाने के लिए जरूरी है।

टमाटर

टमाटर लाइकोपीन से भरपूर होते हैं, एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट जो मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन से बचा सकता है। लाइकोपीन को अल्जाइमर रोग जैसे न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के कम जोखिम से भी जोड़ा गया है।

बैंगन

बैंगन में नासुनिन नामक एक यौगिक होता है, एक एंटीऑक्सीडेंट जो मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन से बचा सकता है। नासुनिन को स्वस्थ मस्तिष्क समारोह और संज्ञानात्मक प्रदर्शन का समर्थन करने के लिए भी दिखाया गया है।

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है तुलसी और अन्य मसालों से बनी ये चाय

अगर आपकी प्रतिरोधक क्षमता में कमी आ गई है और आप बार-बार सर्दी, खांसी, जुकाम या बुखार से पीड़ित हो रहे हैं तो आपको जरूरत है इस खास आयुर्वेदिक चाय की। तुलसी और अन्य मसालों से बनी ये चाय तेजी से आपकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएगी। चलिए जानते हैं इस चाय को बनाने के लिए जरूरी सामग्री और चाय बनाने की सही विधि

सामग्री

तुलसी के सुखाए हुए पत्ते (जिन्हें छाया में रखकर सुखाया गया हो) 500 ग्राम, दालचीनी 50 ग्राम, तेजपान 100 ग्राम, ब्राह्मी बूटी 100 ग्राम, बनफशा 25 ग्राम, सौंफ 250 ग्राम, छोटी इलायची के दाने 150 ग्राम, लाल चन्दन 250 ग्राम और काली मिर्च 25 ग्राम।

विधि

सब पदार्थों को एक-एक करके इमाम दस्ते (खल बत्ते) में डालें और मोटा-मोटा कूटकर सबको मिलाकर किसी बरनी में भरकर रख लें। बस, तुलसी की चाय तैयार है। दो कप चाय के लिए यह 'तुलसी चाय' का मिश्रण (चूर्ण) आधा छोटा चम्मच भर लेना काफी है। दो कप पानी एक तपेली में डालकर गरम होने के लिए आग पर रख दें। जब पानी उबलने लगे तब तपेली नीचे उतार कर आधा छोटा चम्मच मिश्रण डालकर फौरन ढक्कन से ढंक दें। थोड़ी देर तक उबलने दें फिर छानकर कप में डाल लें। इस चाय में दूध नहीं डाला जाता। मीठा करना चाहें तो उबलने के लिए आग पर तपेली रखते समय ही उचित मात्रा में शकर डाल दें और गरम होने के लिए रख दें।

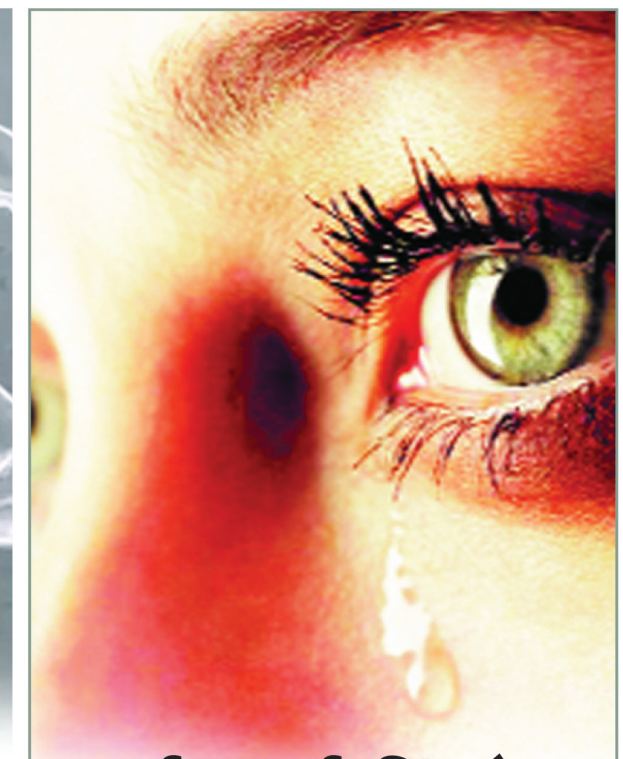

ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

गीला कपड़ा - आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

नारियल का तेल - नारियल तेल में मौजूद गुण आखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

हर्बल टी - कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पत्तियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

नमक - कई बार आंखो में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकाई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

बेकिंग सोडा - साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

ठंडा दूध - कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

एलोवेरा - एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

कच्चा आलू - एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठँडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है ज्यादा बादाम खाना

बादाम खाने की सलाह उन लोगों को दी जाती है जो हर छोटी-छोटी बातों को भूल जाते हैं। शोधकर्ताओं के द्वारा किए गए शोधों में भी यह बात साबित हो चुकी है कि बादाम खाना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है।

बादाम प्रोटीन, विटामिन, मिनरल्स, फाइबर और गुड फैट जैसे कई पोषक तत्वों से भरा होता है। बादाम शारीरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए जरूरी है। इसलिए सर्दियों के मौसम में चिकित्सा विशेषज्ञ लोगों को बादाम खाने को कहते हैं। बादाम खाने की सलाह हर कोई देता है लेकिन यह कितनी मात्रा में खानी चाहिए यह अच्छी तरह से कोई नहीं बता पता है। अधिक मात्रा में बादाम खाने के शारीरिक दुष्प्रभाव भी हैं। बादाम के ज्यादा सेवन से एक तरफ जहाँ वजन बढने का खतरा होता है, वहीं दूसरी तरफ इससे आंखों की रोशनी भी प्रभावित होती है। बादाम की तासीर गर्म होती है, इसके चलते लोगों का यह विचार होता है कि जितनी ज्यादा मात्रा में बादाम खायी जाए उतना ही शरीर को ज्यादा फायदा होगा। यह सोच सही नहीं है।

हमेशा भीगे हुए बादाम खाने चाहिए

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार बादाम को भिगाते ही उसमें पाए जाने वाले प्रोटीन का स्तर बढ़ जाता है। बादाम को रात भर भिगोकर खाना चाहिए, इससे उसमें मौजूद गर्म तत्व काफी हद तक खत्म हो जाते हैं। साथ ही, भिगोए बादाम में पोषक तत्व भी सूखे बादाम की तुलना में ज्यादा होते हैं। बादाम को भिगोकर खाने से इसमें मौजूद फाइबर को पचाना आसान हो जाता है।

ज्यादा मात्रा में बादाम का सेवन आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए हर दिन सिर्फ 10 से 15 बादाम ही खाने चाहिए। भीगे हुए बादाम कच्चे या भुने हुए बादाम से ज्यादा कारगर होते हैं। इसलिए प्रयास करके हमेशा बादाम भीगे हुए ही खाने चाहिए।

मोटापा बढना

बादाम में मौजूद फैट और कैलरी की शरीर में अधिकता होने से मोटापा बढ़ता है। आज की युवा पीढ़ी और बच्चे ज्यादातर फिजिकल एक्टिविटीज से दूर रहते हैं, इससे शरीर की कैलरीज आसानी से बर्न नहीं होती और शरीर में फैट जमा होने लगता है। ऐसे में ज्यादा बादाम खाना नुकसानदेह तो होगा ही, साथ ही इससे आपका वजन भी बढ़ेगा।

हो सकती हैं गंभीर समस्याएँ

बादाम का अधिक मात्रा में सेवन करने से कब्ज, पेट फूलना और लूज मोशन की समस्या हो सकती है। इसके अलावा, बादाम में मिलने वाले एक प्रोटीन से मुंह, गले और कंठ में खुजली होने के साथ ही जीभ, मुंह और होंठ में सूजन जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। वहीं, ज्यादा बादाम खाने से शरीर में मैग्नीज की मात्रा भी बढ़ जाती है जिससे ब्लड प्रेशर और एंटीबायोटिक्स की दवाइयों का असर भी कम होता है।

स्कूल शिक्षा मंत्री ने किया 33/11 केव्ही विद्युत उपकेन्द्र माटरा का भूमिपूजन, सात गांवों के हजारों उपभोक्ता एवं किसान होंगे लाभान्वित

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव ने आज दुर्ग जिले के ग्राम माटरा में महत्वपूर्ण विकास कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने ग्राम माटरा में 33/11 केव्ही विद्युत उपकेन्द्र निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन कर क्षेत्र की जनता को बड़ी सौगात दी। मंत्री गजेन्द्र यादव ने मुख्य अतिथि की आसंदी से कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह उपकेंद्र क्षेत्र की जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करेगा और बिजली के बेहतर बुनियादी ढांचे के माध्यम से क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा। उन्होंने कहा कि उपकेंद्र के निर्माण से किसानों को उच्च गुणवत्ता वाली बिजली मिल सकेगी, जिससे वें अपनी फसलों को सहीं समय पर आवश्यकतानुसार पानी देकर उपज में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकेंगे। सीएसपीडीसीएल दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता संजय खंडेलवाल ने बताया कि विद्युत उपकेंद्र लगभग 02 करोड़ 38 लाख रुपये की लागत से बनकर तैयार होगा। इस नवीन उपकेन्द्र के निर्माण से 7 गांवों के हजारों उपभोक्ता एवं किसान लाभान्वित होंगे। मुख्य अभियंता ने कहा कि यह सबस्टेशन केवल बिजली का केंद्र नहीं है, बल्कि हमारे उपभोक्ताओं जिनमें हमारें किसान यानि अन्नदाता शामिल हैं, के समृद्धि और सशक्तिकरण का केंद्र है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य हर घर को रोशनी, हर खेत को पानी और हर किसान को पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि माटरा में नये उपकेंद्र के निर्माण से ग्राम पेण्ड्रीतराई, कोकड़ी, हरदी, गोता, खजरी, ठेंगाभाठ एवं माटरा सहित कुल सात ग्रामों के उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। उपकेन्द्र के बनने से इन क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बेहतर और निर्बाध होगी, जिससे विकास की गति तेज होगी। भूमिपूजन समारोह की अध्यक्षता विधायक बेमेतरा दीपेश साहू ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रुप में अध्यक्ष तेलघानी बोर्ड आयोग रायपुर जितेन्द्र साहू उपस्थित रहे। इनके अतिरिक्त अध्यक्ष जिला पंचायत दुर्ग मती सरस्वती बंजारे, पूर्व विधायक बेमेतरा अवधेश सिंह चंदेल, अध्यक्ष जनपद पंचायत धमधा लीमन साहू, सदस्य जिला पंचायत दुर्ग मती उषा सोनवानी, अध्यक्ष भाजपा मंडल बेरला डोमेन्द्र सिंह राजपूत, सदस्य जनपद पंचायत धमधा राजेश साहू, पूर्व अध्यक्ष जनपद पंचायत धमधा डॉ.एन.के.तिवारी, विधायक प्रतिनिधि जिला पंचायत दुर्ग किसुन लाल साहू, विधायक प्रतिनिधि जनपद पंचायत धमधा उकेन साहू, सरपंच ग्राम माटरा देवषरण साहू, अध्यक्ष सेवा सहकारी समिति मर्यादित माटरा खुमान साहू भी विशेष अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इसके अतिरिक्त विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता आर.के.मिश्रा, कार्यपालन अभियंता टी.एल.सहारे एवं डी.के.भारती सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकगण उपस्थित हुए।

जिले में 2 से 4 नवम्बर तक होगा राज्योत्सव कलेक्टर ने लिया तैयारियों का जायजा

गंजपारा की पुरानी गंज मंडी बनेगी आयोजन स्थल, विभिन्न विभागों की होंगी स्टॉलें

दुर्ग। आगामी 2 नवम्बर से 4 नवम्बर 2025 तक दुर्ग जिले में तीन दिवसीय राज्योत्सव का आयोजन बड़े ही गरिमामय और उत्साहपूर्ण वातावरण में किया जाएगा। यह आयोजन गंजपारा स्थित पुरानी गंज मंडी परिसर में किया जा रहा है, जिसकी तैयारियों का निरीक्षण कलेक्टर अभिजीत सिंह ने किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंच निर्माण, विभागीय स्टॉल, बैठक व्यवस्था, पार्किंग आदि की तैयारियां समय पर और सुचारु रूप से सुनिश्चित की जाएं। राज्योत्सव के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा जनहितकारी योजनाओं और सेवाओं की जानकारी देने हेतु स्टॉल लगाए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग की ओर से नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिसमें टी.बी., सिकलिंग, हीमोग्लोबिन, आयुष्मान कार्ड, वय वंदन कार्ड, नेत्र परीक्षण, बीपी, शुगर जांच सहित सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा।
इसके साथ ही बिजली विभाग द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत नागरिकों का पंजीयन भी किया जाएगा। इस योजना के माध्यम से आमजन सौर ऊर्जा का लाभ उठा सकेंगे। कलेक्टर सिंह ने निर्देशित किया कि राज्योत्सव को सफल बनाने के लिए विभागीय समन्वय के साथ सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण कर ली जाएं, जिससे आमजन बिना किसी असुविधा के कायक्रम का भरपूर आनंद ले सकें। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, एडीएम अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर मती योगिता देवांगन, अपर कलेक्टर विरेन्द्र सिंह, संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी, डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव व हितेश पिस्दा, नगर निगम कमिश्नर सुमित अग्रवाल, नगर निगम कमिश्नर रिसाली मती मोनिका वर्मा सहित समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

दीपावली पर धनतेरस के बाजार से रौनक

सोने-चांदी, बर्तन, कपड़े सहित साज सज्जा की दुकान पर भीड़

देर शाम तक खरीददारों से गुलजार रहा बाजार शहर की सड़कों पर बनी जाम की स्थिति

लोकतंत्र प्रहरी। नाहीद शेख

दुर्ग - भिलाई में दीपावली पर धनतेरस के लिए सजे बाजार में उमड़ी भीड़। सोने-चांदी, बर्तन, कपड़े सहित साज सज्जा की खरीदारी करने पहुंचे लोग जिसके चलते शहर में त्योहार की रौनक नजर आई।

बीते वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष सप्ताह भर पहले से ही बाजार सजने शुरू हो गए थे। ग्राहकों को आकर्षित करने दुकानदारों ने साज सज्जा के साथ ही आफ्रों की सुविधा उपलब्ध कराई हैं। जिसके चलते बाजार में इस बार जबरदस्त भीड़ देखने को मिली। इधर, जिला प्रशासन ने भी त्योहारी भीड़ को नियंत्रित करने जगह जगह पुलिस बल के साथ स्टापर लगाया। किंतु त्योहार के चलते जाम की स्थिति बनी रही। खास कर इंदिरा मार्केट, गांधी चौक सराफा लाइन में देर शाम तक खरीददारों की भीड़ उमड़ने से बाजार सहित प्रमुख सड़कों पर रह रहकर जाम की स्थिति बनती रही।

कलेक्टर ने नशा मुक्त भारत अभियान की ली समीक्षा बैठक, शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति के दिए निर्देश

पोर्टल पर गतिविधियों की नियमित रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें अधिकारी, युवाओं को सशक्त बनाने, सकारात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर ज़ोर

दुर्ग। भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के परिपालन में, जिले में नशा मुक्त भारत अभियान (एन.एम.बी.ए.) की गतिविधियों की समीक्षा हेतु आज कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नशा मुक्ति संबंधित जागरूकता और शिक्षा, हेल्पलाइन और संसाधन, सामुदायिक शिक्षा (स्कूलों, कॉलेजों), उपचार, परामर्श और सहायता, पुनर्वास सेवाएँ, युवाओं को शामिल करना और सशक्त बनाना, सकारात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देना, स्वयंसेवी और आउटरीच कार्यक्रम, स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता, कानूनी प्रवर्तन, और नीतियों के क्रियान्वयन, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, सामुदायिक प्रयास जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर सिंह ने संबंधित अधिकारियों को अभियान के क्रियान्वयन हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में अभियान की कार्ययोजना से अवगत कराते हुए बताया कि नशामुक्ति अभियान अंतर्गत अक्टूबर 2025 के अंतिम सप्ताह से नवंबर 2025 के प्रथम सप्ताह तक जिले में नशामुक्त भारत अभियान चलाया जाना है। इस दौरान शुभंकर टैगलाईन 'नशा मुक्त भारत, खुशहाल भारत' और #Nasha MuktBharat हैशटैग के साथ जनसंचार माध्यमों और सार्वजनिक स्थानों पर व्यापक प्रचार किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा जिले की कुल जनसंख्या के कम से कम 10 प्रतिशत लोगों को अभियान से जोड़कर अक्टूबर 2025 के अंतिम सप्ताह तक 'नशे के विरूद्ध' शपथ दिलाने का लक्ष्य पूर्ण किया जाए। उन्होंने निर्देश करते हुए कहा कि जिले में आयोजित प्रत्येक गतिविधि की विस्तृत जानकारी एनएमबीए पोर्टल https://nmba.dosje.gov.in पर नोडल अधिकारी के माध्यम से नियमित रूप से अपलोड की जाए। ापथ ग्रहण प्रक्रिया-बैठक में अवगत कराया गया कि नशा मुक्त भारत अभियान के तहत क्यूआर कोड द्वारा शपथ ग्रहण हेतु एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) निर्धारित की गई है, जिसके माध्यम से लोग ऑनलाइन शपथ लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं। यह क्यूआर कोड मोबाइल द्वारा स्कैन करने पर https://nmba.dosje.gov.in/content/take-a-pledge?type=e-pledge लिंक खुलेगी। जिस पर हितग्राही अपनी विवरण जैसे नाम, आयु देकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को जिले के सरकारी अस्पतालों तथा जिला नशामुक्ति केंद्रों (डीडीएसी) में व्यसन उपचार सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने युवाओं को शामिल करने तथा खेलकूद और रचनात्मक सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया, ताकि वे नशे से दूर रहें। उन्होंने कहा नशे से संबंधित जनशिकायत एवं जनसमस्याओं के लंबित प्रकरणों का निराकरण भी समयावधि के भीतर किया जाए। बैठक में एडीएम अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर वीरेन्द्र सिंह एवं मती योगिता देवांगन, नगर निगम भिलाई आयुक्त राजीव पाण्डेय, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमित अग्रवाल, नगर निगम भिलाई चरोदा के आयुक्त डी. राजपूत, नगर निगम रिसाली की आयुक्त मती मोनिका वर्मा, एसडीएम हरवंश सिंह मिरी, सोनल डेविड, हितेश पिस्दा एवं उत्तम ध्रुव तथा संयुक्त कलेक्टर मती सिल्ली थॉमस, उप संचालक समाज कल्याण ए.पी. गौतम सहित सम्बंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

दिव्यांगजन के जीवन को सरल बनाने के लिए सहायक उपकरण होंगे उपयोगीः रमन सिंह

विधानसभा अध्यक्ष ने दिव्यांगजनों को 143 सहायक उपकरण का किया वितरण

राजनांदगांव। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के जन्म दिवस पर स्पीकर हाऊस राजनांदगांव में जिला प्रशासन एवं समेकित क्षेत्रीय केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरण वितरण समारोह का आयोजन किया गया। विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने दिव्यांग बच्चों के साथ केक काटकर जन्मदिन मनाया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूरे होने पर प्रदेश में छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। सेवा पखवाड़ा के तहत जिला एवं विकासखंड स्तर पर 514 से ज्यादा दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण किया गया और शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। डॉ. सिंह ने दिव्यांगजनों को 143 सहायक उपकरणों का वितरण किया। इसके तहत दिव्यांगजनों को मोटराईज्ड ट्राईसायकल, ट्राईसायकल, बैसाखी, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, स्वेज थ्रेडी, एमआर किट, सपोर्ट बैड सहित अन्य उपकरणों का वितरण किया। इसके साथ ही 20 विधवा महिलाओं को राष्ट्रीय सुरक्षा योजना के तहत 20-20 हजार रूपए की सहायता प्रदान की गई। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने बताया कि जिले में दिव्यांगजनों के कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तिकरण के लिए छत्तीसगढ़ का एकमात्र समग्र क्षेत्रीय केन्द्र (सीआरसी) स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के जीवन को सरल बनाने के लिए सहायक उपकरण का वितरण किया गया है। जिसका दिव्यांगजन दैनिक जीवन में उपयोग जरूर करें। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को सभी जन प्रतिनिधियों, वरिष्ठजनों एवं नागरिकों का आशीर्वाद हमेशा मिलता रहेगा। कार्यक्रम को पद्मश्री पुखराज बाफना ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित के अध्यक्ष सचिन बघेल, कोमल सिंह राजपूत, खूबचंद पारख, संतोष अग्रवाल, सौरभ कोठारी, भावेश बैद, सुमीत उपाध्याय, कलेक्टर जितेन्द्र यादव, सीईओ जिला पंचायत सुरूचि सिंह, उप संचालक समाज कल्याण वैशाली मरडवा, सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी, दिव्यांगजन उपस्थित थे।

झीट में हुआ महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह का आयोजन, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल हुए शामिल

अम्लेश्वर/पाटन। महर्षि वाल्मीकि देवभाषा विकास समिति, छत्तीसगढ़ के तत्वाधान में समस्त ग्रामवासी झीट के सहयोग से ग्राम झीट में महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह का आयोजन, शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर, विगत 7 अक्टूबर को धूमधाम से किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोहन साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में तुलसी अंशु रजक पूर्व जनपद सदस्य, विष्णु सिन्हा पूर्व उपसरपंच एवं श्यामलाल जी विधायक प्रतिनिधि रहे। आयोजन के प्रथम सत्र सुबह एक गोष्ठी का आयोजन भी किया गया जिसमें संस्कृत विद्या मंडलम छत्तीसगढ़ के पूर्व अध्यक्ष डॉ सुरेश शर्मा एवं सेवानिवृत्ति संयुक्त कलेक्टर श्री बी.पी. चक्रधर एवं राष्ट्रीय संगीत नाटक अकादमी से राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ कलाकार राकेश तिवारी शामिल हुए. डॉ सुरेश शर्मा ने वाल्मीकि जयंती पर छत्तीसगढ़ी में प्रकाश डाला इसी प्रकार वाल्मीकि जी के व्यक्तित्व कृतित्व पर श्री चक्रधर ने भी अपने उद्बोधन में बताया राकेश तिवारी ने कहा कि श्री मोहन साहू के अथक प्रयास से यह आयोजन यहां किया जा रहा है जो बहुत ही सराहनी है। दोपहर के सत्र में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध लोक रामायण गायक नंदकुमार साहू जी द्वारा रामायण गायन प्रस्तुत किया गया उन्होंने भी महर्षि जी के जीवन पर आधारित प्रस्तुति दी जिसे उपस्थित दर्शकों ने सराहा इसी प्रकार श्री सिद्धिविनायक मानस परिवार बठेना पाटन द्वारा भी मानस पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किया। दोपहर के सत्र में मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का आगमन हुआ उन्होंने इस आयोजन की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा छत्तीसगढ़ में पहली बार महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर मैं सभी प्रदेशवासियों को शरद पूर्णिमा की बधाई देता हूं साथ ही उन्होंने आने वाले वर्ष में महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह और भी भव्य रूप में किया जाएगा का आश्वासन महर्षि वाल्मीकि देव भाषा समिति छत्तीसगढ़ को दिया। संध्याकालीन सत्र में रामकिंकर परिषद परिवार द्वारा मानस गायन किया गया।
अंतिम प्रस्तुति छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ कलाकार राकेश तिवारी के निर्देशन में छत्तीसगढ़ में राम नृत्य नाटिका का भव्य आयोजन किया गया इस नृत्य नाटिका में लगभग 20 कलाकारों ने भाग लिया वरिष्ठ कलाकारों में सुदामा शर्मा, संत फ़रिकार, रत्ना ठाकुर विशाल वर्मा, सविता तिवारी, हेमंत शुक्ला, नरेंद्र यादव, डॉक्टर पुरुषोत्तम चंद्राकर, मोहन साहू, मनीष लदेर, महेश कौशिक, चंचल ध्रुव, मीना विश्वकर्मा, हेमलाल पटेल, सहित अनेक कलाकारों ने अपनी प्रतिभा से उपस्थित जन समुदाय को देर रात तक बांध के रखने में सफल रहे. अंत में कोमल साहू टीकाकार द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

आबंटन के अभाव में लंबित देयक के संबंध में अवगत करायें, शासकीय योजना का एक ही बैंक खाता हो, जीएसटी रिटर्न फाईल समयावधि में जमा करायें

शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं के लिए ई-केवाईसी जरूरी, निर्माण कार्य एजेंसी विभाग राशि भुगतान लंबित न रखे

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न विभागों में संचालित हितग्राही मूलक योजनाओं में अनुदान राशि आदि के लिए ई-के.वाई.सी. होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि योजनांगर्त अपात्र हितग्राहियों का विलोपन सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर सिंह ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित अधिकारियों की बैठक में विगत दिवस सम्पन्न कलेक्टर एसपी कॉन्फ्रेंस में दिए गए निर्देशों से अवगत कराते हुए जिले के अधिकारियों को उक्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य एजेंसी विभाग राशि भुगतान लंबित न रखें। दीपावली पर्व को ध्यान में रखते हुए संबंधित कॉन्ट्रेक्टर को राशि भुगतान किया जाए। साथ ही कॉन्ट्रेक्टर को निर्माण कार्य में संलग्न मजदूरों को समय पर राशि भुगतान कराने के निर्देशित करें। अधिकारी विभागीय खरीदी की देयक की भी जांच कर लें। साथ ही समय पर भुगतान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आबंटन के अभाव में लंबे समय से लंबित देयक के संबंध में अवगत कराया जाए। कलेक्टर ने शासकीय योजनाओं के तहत खोले गए बैंक खातों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि किसी भी योजना का एक बैंक खाता होना चाहिए। एक से अधिक नहीं होना चाहिए। इस संबंध में सभी विभाग प्रमाण पत्र देंगे। विभागों से प्राप्त प्रमाण पत्र के आधार पर रैण्डम जांच कराई जाएगी। शासकीय योजनाओं से संबंधित अनावश्यक बैंक खाते पाए जाने पर विभाग प्रमुख जिम्मेदार होंगे। ऐसी स्थिति में कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को संबंधित शासकीय कार्यालयों पर लंबित बिजली बिल भुगतान समय पर करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जीएसटी रिटर्न फाईल निरस्तीकरण की कार्यवाही समय पर करें। विभागों में 2.50 लाख से अधिक की खरीदी पर टीडीएस कटौती की जाए। इस संबंध में विभागीय लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि समाचार पत्रों में छपी नकारात्मक समाचारों का विभाग द्वारा तथ्यपरक खंडन जारी किया जाए। समाचार के संबंध में मैदानी अमले से जांच कराई जाए और उसी दिन शासन को पूरी जानकारी भेजी जाए। कलेक्टर सिंह ने अधिकारियों को आगाह किया कि उक्त कार्यवाही पर किसी प्रकार की कोताही न बरतें। कार्यालयों में उपस्थिति हेतु निर्धारित समय-सीमा का ध्यान रखा जाए। सभी जिला कार्यालयों में अधिकारी-कर्मचारियों की बायोमेट्रिक पद्धति से उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। कार्यालयों के औचक निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए जाने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही होगी। कलेक्टर ने खरीफफसल की गिरदावरी सत्यापन हेतु नियुक्त अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा एप्प डाउनलोड करने की जानकारी ली। अभी तक एप्प डाउनलोड नहीं करने वाले अधिकारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए ऐसे अधिकारी-कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने खाद्य अधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने अधिकारियों को अंतिम तिथि का इंतजार न करते हुए विभागीय कार्यों से समय निकालकर गिरदावरी सत्यापन कार्य समय पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ई-ऑफिस के संबंध में ऐसे सभी विभागीय अधिकारियों को, जिनकी अभी तक मेल आई-डी नहीं बन पाई है, अथवा अनबोर्ड नहीं हुए हैं वे एक सप्ताह के भीतर उक्त कार्य पूर्ण कर लेने के निर्देश दिए। जिले के सभी कार्यालय में नई फाइले ई-ऑफिस प्रक्रिया के तहत संचालित की जाएंगी। बैठक में राज्योत्सव के संबंध में भी अवगत कराया गया कि जिले में 2 से 4 नवंबर तक तीन दिवसीय राज्योत्सव आयोजित किया जाएगा। 1 से 5 नवंबर तक सभी शासकीय कार्यालयों में रौशनी की जाएगी। राज्योत्सव के दौरान विभागीय प्रदर्शनी व स्टॉल लगाए जाएंगे। स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। मंत्री/सांसद/विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा।

नगरीय निकायों में पीएम आवास 2.0 के अंतर्गत आपसी सहमति से होंगे मकान स्वीकृत-जिले के नगरीय निकायों में पीएम आवास 2.0 अंतर्गत आपसी सहमति के आधार पर आवास आबंटित किए जाएंगे। योजनांतर्गत हितग्राही के स्वयं के नाम पर भूमि पट्टा होना जरूरी है। निकायों में ऐसे बहुत से आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसमें एक ही पट्टे पर परिवार के एक से अधिक सदस्यों के नाम दर्ज हैं। ऐसे प्रकरणों में आपसी सहमति से किसी भी एक सदस्य के नाम में आवास स्वीकृत की जाएगी। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज समय-सीमा की बैठक में नगरीय निकायों में पीएम आवास 2.0 की समीक्षा के दौरान योजनांतर्गत मकान आबंटन में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एक ही पट्टे पर एक से अधिक हितग्राही होने की स्थिति में इनके बीच आपसी सहमति होना जरूरी है ताकि किसी एक हितग्राही के नाम से मकान आबंटित किया जा सके।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com